राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 18 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-209 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

92.50 लाख नगद, 1.5 करोड़ रुपये के गहने... नूपुर की बेहिसाब संपत्ति को देखकर हैरान सीएम सरमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुवाहाटी (ईएमएस)। असम में असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक महिला अधिकारी नूपुर बोरा को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों को जांच के दौरान महिला अधिकारी के घर से बेहिसाब संपत्ति मिली है।

बात दें कि नूपुर बोरा 2019 बैच की अधिकारी हैं। उन पर बीते छह महीनों से विशेष सतर्कता शाखा की नजर थी। नपुर पर आरोप है कि वह जमीन के सौदों में गड़बड़ी करके मोटी रकम वसूल रही थीं। हाल ही में उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जिसमें पुलिस को भारी मात्रा में नकदी और गहने मिले। विशेष सतर्कता शाखा को छापेमारी के दौरान गुवाहाटी स्थित घर से 92.50 लाख रुपये से अधिक नकदी, करीब 1.5 करोड़ रुपये के गहने, बरपेटा में किराए के मकान से 10 लाख रुपये नकद मिले है। दरअसल जांच अधिकारी भी हैरान हैं कि सिर्फ पांच साल की नौकरी में नपूर ने जो अकूत संपत्ति हासिल की, उसने असम सरकार और आम जनता तक को हैरान कर दिया। इस पूरे मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि नूपुर ने बरपेटा में सर्किल ऑफिसर रहते हुए हिंदुओं की जमीन संदिग्ध व्यक्तियों को ट्रांसफर की। उन्होंने कहा कि इस तरह के भ्रष्टाचार को बर्दाशत नहीं किया जाएगा, खासकर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, जांच में सामने आया हैं कि आरोपी महिला अधिकारी नूपर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से 400 गुना ज्यादा संपत्ति जमा कर ली थी। हमारा मानना है कि सिर्फ निलंबन या नौकरी से बर्खास्तगी ही काफी नहीं होगी। हमें कानूनी प्रक्रिया के जरिए सजा सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने जनता से भी अपील कर कहा कि अगर कोई अधिकारी रिश्वत मांगता है, इसकी तुरंत इसकी सूचना दी जाए। पुलिस ने नूपुर बोरा के साथ काम करने वाले सुरजीत डेका नाम के कर्मचारी के घर पर भी छापा मारा है। जांचकर्ताओं को शक है कि इन दोनों ने मिलकर बरपेटा में कई जमीनों की खरीद-फरोख्त की है। अब उनकी बैंक डिटेल्स और जमीन के सभी सौदों की जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने बाघों के शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार पर केंद्र से पूछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बाघों के शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या बाघ संरक्षण के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय एजेंसी की स्थापना की जानी चाहिए। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और देशभर के अन्य राज्यों में सक्रिय आपराधिक गिरोहों की सीबीआई जांच कराने की मांग पर कोर्ट ने गृह मंत्रालय (एमएचए), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को नोटिस जारी कर चार हफ्तों में जवाब मांगा है। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश के बाघ अभ्यारण्यों के 30 फीसदी से ज्यादा बाघ संरक्षित क्षेत्र से बाहर ही घूमते रहते हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा कि आप हमें वह रिपोर्ट दिखाइए। प्रस्तुत रिपोर्ट से पता चलता है कि एक बड़ा रैकेट है जो उत्तर, दक्षिण के देशों के साथ-साथ भारत के सभी हिस्सों के लोग इस गिरोह में शामिल हैं जो बाघ का शिकार करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसकी जांच सीबीआई को सौंपना जरूरी है और एक केंद्रीय एजेंसी की स्थापना होनी चाहिए जो बाघ संरक्षण को विशेष रूप से संभाले। सीजेआई गवई ने रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद नोटिस जारी करने का आदेश दिया और कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी को भी सरकार की ओर से निर्देश लेने को कहा है।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग मामले में बड़ी सफलता: दोनों शूटर गाजियाबाद में मुठभेड़ में ढेर

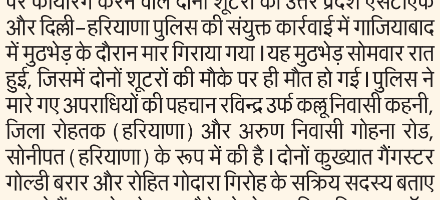

गाजियाबाद/बरेली (एजेंसी)। अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले दोनों शूटरों को उत्तर प्रदेश एसटीएफ और दिल्ली-हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गाजियाबाद में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया गया। यह मुठभेड़ सोमवार रात हुई, जिसमें दोनों शूटरों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मारे गए अपराधियों की पहचान रविन्द्र उर्फ कल्लू निवासी कहनी, जिला रोहतक (हरियाणा) और अरुण निवासी गोहना रोड, सोनीपत (हरियाणा) के रूप में की है। दोनों कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा गिरोह के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं। मुठभेड़ के बाद मौके से दो आधुनिक पिस्टल ग्लॉक और जिगाना के अलावा कई कारतूस भी बरामद किए गए हैं। 12 सितंबर की तड़के करीब 3-45 बजे, बरेली स्थित दिशा पाटनी के घर के बाहर बाइक सवार दो बदमाशों ने नौ राउंड फायरिंग की थी। हमले के बाद सोशल मीडिया पर एक गैंग ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। दावा किया गया था कि यह फायरिंग दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी द्वारा कथावाचक प्रेमानंद महाराज और अनिरुद्धाचार्य पर की गई कथित टिप्पणी का बदला थी। घटना के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिशा पाटनी के पिता और पूर्व डीएसपी जगदीश पाटनी से फोन पर बात कर पूरे परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया था। पुलिस ने मामले की जांच के लिए करीब ढाई हजार से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान की गई।

मप्र :मोदी ने धार में देश के पहले 'पीएम मित्र पार्क' का शिलान्यास किया, स्वदेशी की पुरजोर वकालत की

गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी पूजा, मेरा प्रण : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है। धार की धरती पर बनने वाले देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार मिलेगा। यह पार्क पूरे मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देगा और यहां होने वाले निवेश से प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करेगी। मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत भी लिखेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कपड़ा उद्योग से ही देश के विकास को नई मजबूती मिलेगी। पीएम मित्र पार्क देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नए ट्रांसफार्मेशन की राह खोलेगा। उन्होंने कहा कि हम देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने जा रहे हैं और इनके जरिए हम भारत को विश्व का टेक्सटाईल-हब बनाएंगे। इन पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी बुधवार को धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यहां पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया साथ ही राष्ट्रीय 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' महाअभियान, आठवें ''राष्ट्रीय पोषण माह', 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ कर 'सुमन सखी चैटवॉट' को लाँच किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना' योजना के तहत देशभर की 15 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की प्रसूति सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खाते में अंतरित की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'एक बगिया मां के नाम' अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की दीदी श्रीमती लक्ष्मी डोडियार को अमरूद का पौधा भेंट किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत सुश्री आराधना कलमी को 1 करोड़वां सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग कार्ड प्रदान किया। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार महाअभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक देशभर में 1 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत सिर्फ हमारा संकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत के सुनहरे भविष्य के निर्माण का यज्ञ है। यह यज्ञ तभी पूर्ण होगा जब इसमें सबकी आहुति और सबका योगदान शामिल होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सबके साथ से हम सबके विकास के लिए संकल्पित हैं। पिछले 11 वर्ष जनकल्याण को समर्पित रहे। गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी इष्ट-पूजा और मेरा प्रण है। हमारे समर्पित प्रयासों से पिछले 11 साल में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आए हैं, जिससे पूरे समाज को एक नया आत्मविश्वास मिला है, यही हमारा ईनाम भी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार की प्रगतिशीलता और अवसर का भरपूर लाभ उठाने की उदात्त मंशा की सराहना करते हुए कहा कि धार का यह पीएम मित्र पार्क आने वाले समय में दूसरे राज्यों के लिए एक नज़ीर बनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ाना चाहिए। इसी से हमारे किसानों, काश्तकारों और श्रमिकों के जीवन में समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वदेशी को ही आजादी का हथियार बनाया था। अब हमें इसे विकसित भारत का आधार बनाना है। इसलिए हम छोटी-बड़ी जो भी चीजें खरीदें, सबसे पहले देखें कि क्या यह देश में बनी है या नहीं। देश का पैसा देश में रहेगा, तो विकास को नई गति मिलेगी। यही पैसा देश के विकास और गरीब कल्याण की योजनाओं में काम आता है। देश के मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए बहुत धन की जरूरत है। स्वदेशी से पैदा होने वाले रोजगार का लाभ युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से पूरे देश में जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। राज्य सरकारें इसके लिए स्वदेशी जागरण अभियान चलाएं जिससे नागरिक स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर इसका भरपूर लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और व्यापारी मिलकर सुनिश्चित करें कि पर्वों के दौरान हर दुकान पर इस आशय का बोर्ड लगा होना चाहिए कि %गर्व से कहो, ये स्वदेशी है%। उन्होंने कहा कि हम सभी स्वदेशी वस्तुओं पर गर्व करें। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसे नए दौर की ओर बढ़ रहा है, जहां सबके विकास का प्रबंध हो, हर हाथ को काम मिले और सबके जीवन में समृद्धि का वास हो।

घुसपैठियों के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है कांग्रेस: अमित शाह का गंभीर आरोप, बोले- हम एसआईआर का समर्थन करते हैं

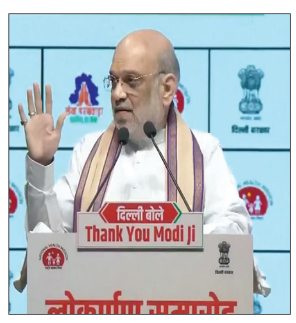

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर नई दिल्ली में 'सेवा पखवाड़ा' के तहत 1600 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। शाह ने कहा कि आज, देश का प्रत्येक नागरिक और दुनिया भर में फैले भारतीय, ईश्वर से प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और राष्ट्र के प्रति उनकी दीर्घायु की कामना कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति के जन्मदिन को, जिसका जीवन वैभव और व्यक्तित्व का रोम-रोम माँ भारती की सेवा में समर्पित है, 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 11 वर्षों से, पूरा भारत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यह 'सेवा पखवाड़ा' मना रहा है।

अमित शाह ने कहा कि जिस व्यक्ति का भारत के प्रति संकल्प पूरे देश को ऊर्जा देता है, जिसके गरीब कल्याण के संकल्प ने देश के 7000 से अधिक गरीबों को घर, बिजली, शुद्ध पानी, शौचालय, गैस सिलेंडर, प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज और 5 लाख रुपये तक की मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी हैं, उस व्यक्ति के लिए भाजपा ने 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण की चिंता करने की एक नई परंपरा शुरू की है। शाह ने कहा कि रेखा गुप्ता अभी कह रही थीं कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी भाजपा सरकार या किसी और सरकार में भेदभाव नहीं किया। उन्होंने दिल्ली को उसकी हक़दारी से ज़्यादा दिया है, यहाँ तक कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी तब भी।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानते हैं और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। देश को सुरक्षित करना, आर्थिक रूप से विकसित करना, हर गरीब के घर में नई ऊर्जा, उत्साह और सुविधा पहुँचाना, और हर बच्चे के मन में एक भारत श्रेष्ठ भारत का संकल्प जगाना, ये सब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 11 सालों में कर दिखाया है। देश प्रधानमंत्री मोदी की इन उपलब्धियों को लंबे समय तक याद रखेगा।

शाह ने कहा कि चाहे वह देश की सीमाओं की सुरक्षा हो, सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो और अंत में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को करारा जवाब देना हो, पीएम मोदी ने यह सब किया है। वर्षों से हम सभी चाहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर बने... राहुल बाबा भाजपा का मजाक उड़ाते थे, कहते थे, 'मंदिर वहीं बनाएंगे क्योंकि तारीख नहीं बताएंगे'। मंदिर बन गया है, राम लला स्थापित हो गए हैं और आज दुनिया भर के लोग खुशी मना रहे हैं। चाहे काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हो, या सोमनाथ मंदिर को सोने से फिर से बनाने का काम शुरू करना हो, ऐसे हर मुद्दे जो वर्षों से अटके हुए थे, पीएम मोदी ने उन्हें एक झटके में हल कर दिया और देश के लोगों का विश्वास बढ़ाया।

अमित शाह ने कहा कि वर्षों से भाजपा के कार्यकर्ता अनुच्छेद 370 को हटाने की इच्छा रखते थे। हमारी आवाज़ बुलंद थी, लेकिन हम यह भी सोचते थे कि यह कैसे संभव होगा। देश ने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री चुना और अनुच्छेद 370 को समाप्त किया। वर्षों तक मोदी जी के नेतृत्व में काम करते हुए मैंने देखा है कि वह देश के एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने कभी छुट्टी नहीं ली... इसी वजह से मनमोहन सिंह जिस 11वें स्थान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ गए थे, वह अब चौथे स्थान पर पहुँच गई है। दिल्ली वालों, तैयार रहो, 2027 तक हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके होंगे।

पाक की बार-बार अपील के चलते संघर्ष विराम किया: राजनाथ

हैदराबाद (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के कारण स्थगित नहीं हुआ था, बल्कि पाकिस्तान की बार-बार की गई अपील के चलते अस्थायी रूप से रोका गया। हैदराबाद मुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में भारत पर कोई आतंकी हमला हुआ तो ऑपरेशन सिंदूर दोबारा शुरू होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा, कुछ लोग सवाल करते हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम किसी के हस्तक्षेप से हुआ। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि आतंकवादियों पर कार्रवाई किसी के दबाव से नहीं रोकी गई। कुछ लोग दावा करते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन रुकवाया। यह बिल्कुल गलत है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भी स्पष्ट किया है कि भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता। डार ने एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत का हमेशा यही रुख रहा है कि यह मामला द्विपक्षीय है। अजहर के परिवार के लोग मारे गए रक्षा मंत्री ने कहा, भारतीय मिसाइल हमलों से आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के परिजनों की मौत हुई थी, जिसकी पुष्टि खुद जैश के एक कमांडर ने की है। इस संबंध में वीडियो भी सामने आ चुका है।

आज का भारत किसी के कहने पर नहीं चलता

राजनाथ सिंह ने कहा, पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार यह साबित किया है कि वह किसी भी चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और इस साल ऑपरेशन सिंदूर इस बात के प्रमाण हैं कि भारत शांति को न मानने वालों को जवाब देना जानता है। उन्होंने कहा, आज का भारत किसी के कहने पर नहीं चलता। वह अब अपनी दिशा खुद तय करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इतना मजबूत हो चुका है कि अब कोई भी ताकत उसकी संप्रभुता को चुनौती देने की हिम्मत नहीं कर सकती। रजाकारों की हिंसा की तुलना आतंकी हमले से की हैदराबाद मुक्ति दिवस पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने निजाम समर्थक रजाकारों की हिंसा को भी याद किया और उसकी तुलना पहलगाम आतंकी हमले से की।

उन्होंने कहा, 1948 में सरदार पटेल ने रजाकारों की साजिश को नाकाम किया था, आज भी पाकिस्तान के आतंकवाद को भारत नाकाम कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब हम रजाकारों की बात करते हैं तो यह किसी समुदाय के खिलाफ नहीं बल्कि उस सोच के खिलाफ है, जो भारत की आत्मा और सर्वधर्म समभाव की भावना के खिलाफ है। राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड का

निरीक्षण किया कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे। इससे पहले राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और केंद्रीय बलों की परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरदार पटेल की एक प्रतिमा का भी अनावरण किया।

माओवादियों ने पत्र लिख, संघर्ष रोकने और हथियार छोड़ने की कही बात

सरकार कर रही पत्र की सत्यता की जांच कहा-नक्सल के खिलाफ जारी रहेगा ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने दावा किया है कि वह सरकार से शांति वार्ता के लिए अस्थायी तौर पर अपना सशस्त्र संघर्ष रोकने को तैयार है। पत्र में यह शर्त रखी गई है कि सरकार एक महीने के युद्धविराम का एलान करे। छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा है कि इस बयान की प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पत्र की सत्यता जांचने के बाद अगर यह सही पाया गया, तो वरिष्ठ नेता इस पर फैसला लेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माओवादियों की यह कथित अपील मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि इस कथित बयान की जांच की जाएगी, लेकिन नक्सलवाद के खिलाफ़ ऑपरेशन जारी रहेगा, यदि नक्सली बंदूक त्यागकर मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए पुनर्वास समेत कई योजनाएं चला रही है। ऐसे में नक्सली बंदूक त्यागकर सामने आएंगे तो सरकार उनके साथ शांति वार्ता के लिए पहल करेगी। बस्तर के इंस्पेक्टर जनरल सुंदरराज पी ने कहा कि सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय समिति के नाम से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति, जिसमें हथियार डालने और शांति वार्ता की संभावना का उल्लेख किया गया है, हमारे संज्ञान में आई है। इस विज्ञप्ति की जांच की जा रही है और इसकी विषय-वस्तु का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जा रहा है। हम यह साफ करना चाहते हैं कि सीपीआई (माओवादी) के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत या संवाद के बारे में सरकार समुचित विचार और मूल्यांकन के बाद ही फैसला करेगी। माओवादियों ने अपने पत्र में लिखा है कि हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए किए जा रहे अनुरोधों के मद्देनज़र उन्होंने हथियार डालने का फैसला लिया है। पत्र में लिखा है, हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से विराम देने का फैसला लिया गया है। इस विषय में हम केंद्रीय गृहमंत्री या उनके नियुक्त व्यक्तियों से वार्ता के लिए तैयार हैं। प्राथमिक रूप से हम वीडियो कॉल के जरिए भी सरकार के साथ विचारों के आदान-प्रदान के लिए तैयार हैं। माओवादियों ने लिखा है कि वे मार्च 2025 से ही सरकार के साथ शांति वार्ता के लिए प्रयास कर रहे हैं। माओवादियों का ये कथित बयान उनकी पार्टी के महासचिव बसवराजू के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे जाने के चार महीने बाद आया है। विश्लेषकों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों का अभियान तेज होने के बाद माओवादी कमजोर हो गए हैं और अब बचाव की रणनीति अपना रहे हैं। इस सप्ताह सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय कमेटी की सुजाता ने आत्मसमर्पण कर दिया था। पिछले कुछ दिनों के अंदर ही सीपीआई माओवादी की सेंट्रल कमेटी के एक सदस्य मोडेम बालकृष्णा के मारे जाने और सेंट्रल कमेटी की ही दूसरी सदस्य सुजाता के आत्मसमर्पण के बाद माना जा रहा है कि माओवादी संगठन अपने सबसे मुश्किल दौर से गुज़र रहा है।

ईवीएम पर अब कैंडिडेट्स के रंगीन फोटो लगेंगे

नाम भी बड़े अक्षरों में लिखा जाएगा, ताकि वोटर आसानी से पढ़ सकें; बिहार चुनाव से शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईवीएम बैलेट पेपर पर अब उम्मीदवारों के रंगीन फोटो होंगे। इसके अलावा प्रत्याशियों की नंबरिंग और उनका फोंट साइज भी बड़ा होगा, जिससे वोटर उसे अच्छे से पढ़ और देख सके। चुनाव आयोग इसकी शुरुआत की बिहार विधानसभा चुनाव से करेगा। इसके लिए चुनाव आयोग ने एक गाइड लाइन जारी की है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि यह पहल उन 28 सुधारों का हिस्सा है, जिन्हें पिछले छह महीनों में मतदाताओं की सुविधा और चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए लागू किया गया है।

चुनाव आयोग ने बताया कि उसने निर्वाचन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत ईवीएम बैलेट पेपर की डिजाइन और प्रिंटिंग संबंधी मौजूदा दिशानिर्देशों में संशोधन किया है, ताकि उनकी स्पष्टता और पठनीयता को बढ़ाया जा सके। उम्मीदवारों/नोटा के क्रमांक अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप में भारतीय अंकों में छापे जाएंगे। स्पष्टता के लिए फॉन्ट साइज 30 और बोल्ड रखा जाएगा।

ईवीएम बैलेट पेपर 70 जीएसएम पेपर का होगा

चुनाव आयोग के बयान के अनुसार, ईवीएम बैलेट पेपर 70 जीएसएम पेपर पर छापे जाएंगे। विधानसभा चुनावों के लिए विशेष आरजीबी मान वाले गुलाबी रंग के पेपर का उपयोग किया जाएगा। सभी उम्मीदवारों/नोटा के नाम एक ही फॉन्ट प्रकार और फॉन्ट साइज में बड़े अक्षरों में छापे जाएंगे, ताकि आसानी से पढ़े जा सकें।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर इटली की पीएम मेलानी ने की सराहना, बताया प्रेरणा स्रोत

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं, और इस अवसर पर देश-विदेश के नेता उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पिछले साल के जी-7 शिखर सम्मेलन की एक मुस्कुराती हुई सेल्फी साझा की और अपने संदेश में पीएम मोदी की शक्ति, दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की क्षमता की सराहना की, उन्हें प्रेरणा का स्रोत बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी शक्ति, दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की क्षमता प्रेरणादायक है। मित्रता और सम्मान के साथ मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं ताकि वे भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएं और हमारे देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करें। पीएम मोदी को अन्य वैश्विक नेताओं ने भी बधाई दी। मेलोनी की बधाई ऐसे समय में आई जब कई विश्व नेताओं ने अपनी शुभकामनाएं दीं। वहीं इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी को मेरा अच्छा मित्र नरेंद्र कहकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी, मेरे अच्छे दोस्त नरेंद्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। आपने भारत के लिए बहुत कुछ किया, और हमने मिलकर भारत-इजराइल दोस्ती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। नेतन्याहू ने कहा कि वह जल्द ही पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं ताकि दोनों देशों की साझेदारी और दोस्ती को मजबूत किया जा सके। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले विश्व नेता थे जिन्होंने मंगलवार रात फोन कर पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वनों के संरक्षण से ही संभव समग्र विकास

पिछले दो दशकों में पूरी दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो चुके हैं, जबकि पहाड़ 85 प्रतिशत से अधिक पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों का आश्रय स्थल हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष जितना जंगल नष्ट हो रहा है, उसका क्षेत्रफल लगभग एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर है, जो जर्मनी और नार्डिक देशों- आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड- के संयुक्त क्षेत्रफल के बराबर है। इसके अनुपात में नए जंगलों के रोपण की गति बहुत धीमी है

जैव विविधता का संकट

देश-दुनिया में जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानव जीवन और भूमि स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। वैज्ञानिक चेतावनियों व जंगल बचाने के प्रयासों के बावजूद पेड़ कटाई और तेज़ हो गई। कुदरती कारण भी वन नष्ट कर रहे हैं।

दुनिया में आज जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की दिशा में पेड़ों और जंगलों की महत्ता की चर्चा जोरों पर है। इसका प्रमुख कारण है कि जलवायु परिवर्तन के चलते संतुलित और समग्र विकास का लक्ष्य समूची दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानवीय जीवन और भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

वास्तविकता यह है कि हर वर्ष दुनिया में एक करोड़ हेक्टेयर जंगल नष्ट हो रहे हैं। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इसका खुलासा किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कीड़े-मकोड़े भी प्रतिवर्ष 3.5 करोड़ हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि मानव जाति जैव विविधता के विनाश की ओर अग्रसर है, जबकि यही जैव विविधता हमें अनेक बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यदि वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक नहीं लगी, तो प्रकृति की लय पूरी तरह से बिगड़ जाएगी और वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को रोक पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। वन न केवल हमें गर्मी से राहत प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने, कृषि की स्थिरता को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और जलवायु को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दरअसल, आज जो स्थिति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है, वह मानव के लोभ का ही परिणाम है। इसका दुष्परिणाम हमारे सामने मौसम में आए भीषण परिवर्तन और पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन के विघटन के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इससे न केवल पर्यावरण, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ढांचा भी चरमराने लगा है। दशकों से वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और वनस्पति एवं जीवविज्ञानी यह चेतावनी दे रहे हैं कि अब हमारे पास पुरानी परिस्थितियों को पुनर्स्थापित करने के लिए बहुत कम समय बचा है।

यदि देश की बात करें, तो उत्तराखंड में बीते 8-9 वर्षों के दौरान ढाई लाख से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें एक लाख से अधिक पेड़ 'ऑल वेदर रोड' परियोजना के तहत तथा शेष पेड़ पर्यटन, देहरादून से दिल्ली तक सड़क चौड़ीकरण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और सुरंग आधारित परियोजनाओं के नाम पर काटे गए हैं। इन परियोजनाओं के चलते देवदार, बांज, राई, कैल जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों का अस्तित्व ही मिटा दिया गया है। विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का यह सिलसिला पूरे देश में जारी है। अमेरिका की एएंडएम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में सामने आया है कि पेड़-पौधों की उपस्थिति मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। करीब 6.13 करोड़ मानसिक रोगियों पर किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पाई गई।

पिछले दो दशकों में पूरी दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो चुके हैं, जबकि पहाड़ 85 प्रतिशत से अधिक पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों का आश्रय स्थल हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष जितना जंगल नष्ट हो रहा है, उसका क्षेत्रफल लगभग एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर है, जो जर्मनी और नार्डिक देशों- आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड- के संयुक्त क्षेत्रफल के बराबर है। इसके अनुपात में नए जंगलों के रोपण की गति बहुत धीमी है।

दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन में फैले वर्षावनों की स्थिति भी चिंताजनक है। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और आग की घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल विनाश के कगार पर हैं। अब तक अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र नष्ट हो चुका है। जंगलों के विनाश में आग एक बड़ा कारक बन गई है, जिससे हर साल लाखों हेक्टेयर वनक्षेत्र आग की भेंट चढ़ जाता है।

साल 2023 में दुनियाभर में 37 लाख हेक्टेयर जंगल नष्ट हुए, जबकि भारत में इस वर्ष के दौरान 21,672 हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो गया। वर्ष 2013 से 2023 के बीच के दस वर्षों में भारत में हुए 95 प्रतिशत वनों के विनाश में अवैध कटाई और जंगलों में आग की घटनाओं की बड़ी भूमिका रही है। यूके स्थित 'साइट यूटिलिटी बिडर' की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पिछले 30 वर्षों के दौरान जंगलों की कटाई में भारी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से 2015 से 2020 के बीच पांच वर्षों में जंगलों की कटाई चरम पर रही है।

जैव विविधता के संरक्षण में वनों की उपयोगिता सर्वविदित है, लेकिन हम इन्हीं वनों के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। बीते तीन दशकों में हमने वनों का बहुत बड़ा क्षेत्र मानवीय स्वार्थ के चलते समाप्त कर दिया हैं। दुखद बात यह है कि जंगलों को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बावजूद वनों की कटाई और तेज़ हो गई है। सच्चाई यह है कि आज दुनिया में हर मिनट 21.1 हेक्टेयर जंगल समाप्त हो रहे हैं।

यदि अब भी हम नहीं चेते, तो हमारा यह मौन हमें कहां ले जाएगा? क्या मानव सभ्यता सुरक्षित रह पाएगी? यह सोचने का समय अब नहीं, कार्य करने का समय है। प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद् हैं।

संपादकीय

संतुलनकारी हस्तक्षेप

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का केंद्र सरकार और विपक्ष दोनों ने ही स्वागत किया है। एक संवेदनशील संतुलन बनाते हुए न्यायालय ने अधिनियम के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी है। जिसमें एक वह खंड भी शामिल है, जो यह निर्धारित करता है कि पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित कर सकते हैं। हालांकि, न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि 'अनुमान हमेशा किसी कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होता है।' बहरहाल, सत्तारूढ़ भाजपा इस बात से राहत महसूस कर रही है कि अब इस अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किए जाने का खतरा नहीं है। जबकि कांग्रेस का दावा है कि इस कानून के पीछे विभाजनकारी एजेंडा उजागर हुआ है। दरअसल, सरकार ने अप्रैल में लागू किए इस कानून को देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के लिये एक 'धर्मनिरपेक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह' व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से लागू करने की बात कही थी। निस्संदेह, वक्फ बोर्डों पर वर्षों से लग रहे भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, अतिक्रमण, संपत्ति की अवैध बिक्री और हस्तांतरण आदि के आक्षेपों को देखते हुए, प्रशासन में सुधार के लिये नियंत्रण और संतुलन स्थापित करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों को यह आशंका रही है कि तथाकथित सुधारों का दुरुपयोग वक्फ मामलों में हस्तक्षेप करने और यहां तक कि संपत्तियों को जब्त करने के लिये किया जा सकता है। उनकी दृष्टि में एक विवादास्पद प्रावधान केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से संबंधित रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे सदस्यों की संख्या को सीमित करने का प्रयास किया है। कहा गया कि कानून में पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन न हो सके। दरअसल, विगत में विपक्ष आशंका जताता रहा है कि यह अधिनियम ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है और सांप्रदायिक सद्भाव के लिये खतरा बन सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायालय का अंतिम आदेश कानून से जुड़ी ऐसी तमाम आशंकाओं का समाधान कर सकेगा। देश के मौजूदा परिदृश्य में सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिये वक्फ की समृद्ध क्षमता का दोहन करने पर राजनीतिक और धार्मिक सहमति बनाने की आवश्यकता है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला पूरी तरह से तार्किक आधार रखता है, जिसे संतुलन के हस्तक्षेप की संज्ञा दी जा रही है। जिससे मुस्लिम पक्ष की कतिपय आशंकाओं को दूर करने का ही प्रयास हुआ है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत द्वारा किए गए संशोधन में संविधान की मूल भावना का ध्यान रखा गया है। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने उन प्रावधानों पर भी रोक लगायी है, जो जिलाधिकारी या सरकारी अधिकारी को यह तय करने की शक्ति देते थे कि कोई वक्फ संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं।

विश्वपटल पर जगतगुरु की परिकल्पना को साकार करता

(लेखक - डॉ अभिलाष पाण्डेय)

भारत प्राचीन काल से ही विश्व को मार्गदर्शन देने वाला देश रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे शाश्वत सूत्रों ने इसे जगतगुरु की उपाधि दिलाई थी। समय के उतार-चढ़ाव में यह स्वर मंद अवश्य पड़ा, किन्तु कभी मिटा नहीं। आज जब समस्त विश्व भौतिकता की चकाचौंध में आध्यात्मिक शांति की खोज कर रहा है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रभावी नेतृत्व ने भारत को पुनः उसी गौरवशाली स्थान पर प्रतिष्ठित कर दिया है। मोदी जी का नेतृत्व केवल राजनीतिक मर्यादाओं तक सीमित नहीं है, उसमें दूरदर्शिता, सांस्कृतिक चेतना और वैश्विक समरसता का अद्भुत संगम है। उनकी नीतियों और कार्यों में वह तेजस्विता है जो भारत को सबल, आत्मनिर्भर और विश्वमानवता का पथप्रदर्शक बना रही है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना भारत की सांस्कृतिक ध्वजा को फहराने का अद्वितीय उदाहरण है। योग के माध्यम से भारत ने समस्त मानवता को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखाया। आयुर्वेद और भारतीय जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाकर मोदी जी ने वैश्विक समाज को भारत की प्राचीन परंपरा की शक्ति का परिचय कराया। 'एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य' का उनका उद्घोष भारतीय संस्कृति की उदार दृष्टि और दूरदर्शिता का प्रतीक है, जिसने विश्व के देशों को परस्पर सहयोग और सामंजस्य का संदेश दिया है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में नए आयाम गढ़े हैं। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने देश को स्वावलंबन और सबलता प्रदान की है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया ने युवाओं में सृजनशीलता और नवाचार का संचार कर भारत को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी का ध्रुवतारा बना दिया है। आज भारत न केवल परंपरा का ध्वजवाहक है, बल्कि चंद्रयान-3 जैसी उपलब्धियों से वैज्ञानिक प्रगति का भी अग्रदूत बन चुका है। नरेंद्र मोदी जी ने देश की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के पुर्ननिर्माण में संपूर्ण राष्ट्र को एक साथ जोड़कर करोड़ों सनातनियों संकल्प को पूर्ण और साकार रूप प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है उन्होंने भव्य राम मंदिर की आधारशिला रखी और उसके प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी भाग लिया मोदी जी ने अपने भाषण में राम मंदिर को भारतीय संस्कृति और आस्था की जीत बताया उन्होंने ने कहा कि यह मंदिर न केवल भगवान राम का मंदिर है बल्कि यह भारत की दृष्टि, दर्शन और संस्कृति का प्रतीक है उनका यह प्रयास दूरगामी प्रभाव वाला है। नरेंद्र मोदी जी द्वारा धारा 370 हटाना देश की अखंडता के लिए एक साहसिक कदम था,इस निर्णय ने जम्मू कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इससे क्षेत्र में विकास और समृद्धि आई और लोगों को सामान अधिकार प्राप्त हुए यह निर्णय ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला है।

विदेश नीति में भी मोदी जी ने भारत की नई छवि गढ़ी है। **Neighbourhood First, Act East Policy** और ग्लोबल साउथ की आवाज़ बनने की पहल ने भारत को विश्व मंच पर नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। जी-20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी इस तथ्य को और अधिक पुष्ट करती है कि विश्व भारत की ओर आशा और विश्वास से देख रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी मोदी जी की दूरदर्शिता स्पष्ट झलकती है। **LiFE (Lifestyle for Environment)** का संदेश देकर उन्होंने विश्व को सतत विकास और प्रकृति के संरक्षण की राह दिखाई है। इसी संदर्भ में उन्होंने नागरिकों को प्रेरित किया कि वे अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाएँ—'एक पेड़ माँ के नाम'। यह अभियान न केवल व्यक्तिगत श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि धरती माँ को सुरक्षित और हरा-भरा बनाने का भी सशक्त संकल्प है। जिस प्रकार माँ हमें जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी आने वाली पीढ़ियों को प्राणवायु और संरक्षण देंगे।

सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री जी का नेतृत्व उतना ही दृढ़ और निर्णायक है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सजीव उदाहरण है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जिस सटीक और त्वरित कार्रवाई का परिचय दिया, वह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह संदेश भी था कि भारत अब आतंकवाद को उसकी जड़ों तक पहुँचकर कुचलने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों रखता है। इस ऑपरेशन ने आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त कर यह प्रमाणित कर दिया कि नया भारत शांति चाहता है, किन्तु अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करेगा। यह अभियान भारत की रणनीतिक क्षमता, आत्मनिर्भर रक्षा नीति और सशक्त नेतृत्व का प्रतीक है, जिसने नागरिकों में आत्मविश्वास जगाया और विश्व को भारत की दृढ़ निश्चयी छवि दिखाई।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है। जहाँ एक ओर योग, आयुर्वेद और सनातन मूल्य विश्व के कोने-कोने में पहुँच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी नवाचारों से भारत भविष्य का पथप्रदर्शक बन रहा है। इस प्रकार उनका व्यक्तित्व और कृतित्व उस भारत का निर्माण कर रहा है जो सबल भी है और संवेदनशील भी, आधुनिक भी है और आध्यात्मिक भी।

कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व भारत की उस जगतगुरु परिकल्पना को मूर्त रूप दे रहा है जिसकी जड़ें ऋषियों-मुनियों की तपःपूत परंपरा में निहित हैं। उनका दूरदर्शी और प्रभावी नेतृत्व भारत को केवल एक शक्तिशाली राष्ट्र ही नहीं बना रहा, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक सिद्ध कर रहा है। योग, विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ संकल्प—इन सबमें भारत का उत्थान स्पष्ट दिखता है। और जब हर भारतीय अपनी माँ के नाम एक पेड़ लगाएगा तथा राष्ट्र एकजुट होकर शांति और सुरक्षा का संदेश देगा, तब भारत न केवल विश्वगुरु कहलाएगा, बल्कि विश्वमानवता का दीपस्तंभ सिद्ध होगा।

(प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मोत्सव पर लेखक एवं विचारक विधायक उत्तर जबलपुर डॉ अभिलाष पाण्डेय के विचार)

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

अमीरों को 100 फीसदी टैक्स छूट: काले धन को सफेद करने की सुविधा

(लेखक - सनत जैन)

भारत में आम आदमी भारी टैक्स देने को मजबूर है। जबकि बड़े-बडे उद्योगपतियों को बिना टैक्स दिए करोड़ों रुपए की कमाई और काली कमाई को सफेद करने के लिए नियमों में संशोधन कर विशेष अवसर मिल रहा है। सरकार ऐसी नीतियाँ बना रही है, जो सीधे तौर पर अमीरों को फायदा पहुंचा रही हैं। जबकि देश के गरीब से गरीब नागरिकों से भारी टैक्स वसूल किया जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग टैक्स के कारण अपने बच्चों को पोषण आहार भी नहीं दे पा रहा है वहीं शिक्षा देने के लिए उसके पास पैसे नहीं रहते हैं। गरीब एवं मध्यम वर्ग परिवारों को आर्थिक कठिनाइयाँ झेलनी पड़ रही हैं। वहीं अमीर बिना कोई टैक्स दिए हर साल करोड़ों-अरबों रुपए सरकार की टैक्स नीति के कारण यहां कमाई कर रहे और विदेश में निवेश कर रहे हैं। अमीरों के लिए सरकार की दो योजनाएं सरकारी खजाने के लिए सबसे खतरनाक साबित हो रही हैं। एक योजना, जीएआर (जनरल एंटी अवॉयडेंस रूल) और दूसरी गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी) योजना है। इन दोनों योजनाओं में बड़े-बड़े उद्योगपति और कारोबारी करोड़ों तथा अरबो रुपए की कमाई कर रहे हैं। वहीं सरकार को टैक्स के रूप में 1 रुपये भी नहीं दे रहे हैं। जीएआर के माध्यम से सरकार ने अल्टीमेट बेनिफिशरी ओनर (अंतिम लाभार्थी मालिक) का खुलासा करने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। इसका सीधा परिणाम यह हुआ कि बड़े उद्योगपति अपने निवेश के असली स्रोत को छुपाकर बड़ी आसानी से काला धन सफेद कर रहे हैं। पहले काले धन को संभालना मुश्किल होता था, लेकिन अब काला धन सफेद धन में परिवर्तित हो रहा है तथा इससे लगातार कमाई भी हो रही है। उदाहरण स्वरूप, अडानी समूह और चंदा कोचर के मामले में इस कानून के माध्यम से इसी तरह से लेन-देन किया गया। इससे साफ है, कि कानून के सहारे बड़े उद्योगपति बिना टैक्स चुकाए अरबों रुपये का लाभ कमा रहे हैं। दूसरी योजना, गिफ्ट सिटी, एक विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में कार्य करती है। यहाँ पर विदेशी निवेशकों और कंपनियों को ऐसा वातावरण दिया गया है, जहाँ वे 10 वर्षों तक पूरी तरह से टैक्स फ्री होकर व्यवसाय कर सकते हैं। जीएसटी, स्टैम्प ड्यूटी, सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स आदि में छूट मिलती है। इस सिस्टम में कंपनियों को बस एक ऑफिस खोलना होता है। बिना कोई व्यापारिक गतिविधि किए भारी निवेश करना शुरू कर देते हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि रोजगार सृजन के बजाय, केवल टैक्स बचाने के लिए यह पैसा घुमाया जाता है। विदेश से जो धन भारत से भेजा गया था वही धन भारत लौटकर आ जाता है। सरकार को टैक्स का लाभ नहीं मिलता है। वही कोई कारोबार ना होने से युवाओं को रोजगार और नौकरी भी नहीं मिलती है। सरकार ने केवाईसी नियमों मे भी ढील दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि धनशोधन आसानी से होता रहे। मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के स्थान पर अब इन दो कानूनों के कारण बिना टैक्स दिए करोड़ों रुपए का अवैध रूप से लेनदेन हो रहा है। विदेशी निवेश के नाम पर जो पैसा टैक्स हेवन देशों में जाता है उसका उद्देश्य केवल कर बचाना होता है, नाकि वास्तविक निवेश के रूप में होता है। सरकार ने बड़े-बड़े अमीरों को टैक्स न देना पड़े शायद इसी के लिए योजना बनाई है। भारत में टैक्स के लिए गरीबों एवं मध्यम वर्ग के लिए अलग कानून है, बड़े-बड़े धन्ना-सेठ और कारोबारियों के लिए अलग कानून है। सरकार पिछले कुछ वर्षों से मनी बिल के तहत समय-समय पर नियमों मे बदलाव कर देती है। जो नए नियम बनाकर लागू किये गए हैं, वे संसद में पेश भी नहीं हुए। एडमिनिस्ट्रेटिव आर्डर के जरिए नियमों में बदलाव किया गया है।

इस असमान व्यवस्था का सीधा असर सरकार के खजाने पर पड़ रहा है। आम जनता से सैकड़ों किस्म के टैक्स और शुल्क वसूल किए जाते हैं। टैक्स एवं शुल्क के आतंक से आम जनता परेशान है। वहीं बड़े कारोबारी उद्योगपति और भ्रष्ट कमाई वाले टैक्स-फ्री होकर भी रोजाना काले और सफेद धन को दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ा रहे हैं। भारत का पैसा विदेशों में ले जाकर निवेश कर रहे हैं। भारत में जो अरबपति हैं उनके परिवार के कई लोग विदेश में जाकर नागरिकता ले रहे हैं। भारत की पूंजी को विदेश में निवेश कर रहे हैं। अब समय आ गया है, इन भ्रष्ट और अनियमित अनैतिक योजनाओं पर गंभीरता से विचार किया जाए। देश के विकास का लाभ तथा सभी वर्गों के लिए एक समान टैक्सेशन हो। समाज के सभी वर्गों तक सरकार के नियम कानून और सरकारी खजाने का लाभ हर नागरिक तक समान रूप से पहुंचे इस दिशा में काम करने की जरूरत है। संविधान इस तरह से अलग-अलग कानून बनाने की अनुमति भी नहीं देता है। न्यायपालिका की चुप्पी और अनदेखी की अब खुलेआम आलोचना भी होने लगी है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका तीनों को इस मामले में गंभीरता के साथ विचार करते हुए अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी। पिछले एक दशक में जिस तरीके से गरीबों और अमीरों के बीच में असमानता बढ़ रही है, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, घोटाले दर घोटाले हो रहे हैं। उन सब पर रोक लगाने की जरूरत है। ना कि उन्हें संरक्षण देने की। उपरोक्त दोनों कानून को तुरंत समाप्त किए जाने की जरूरत है। ताकि भ्रष्टाचार और आर्थिक घोटालों पर रोक लग सके।

भारत का एआई मिशन होगा और मजबूत

– बजट बढ़ाकर 20,000 रुपए करोड़ करने की तैयारी

नई दिल्ली भारत सरकार इं डिया एआई के तहत अगले पांच वर्षों में खर्च को 10,372 करोड़ से बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपए करने की योजना बना रही है। इस पहल का उद्देश्य देश को एआई तकनीक में आत्मनिर्भर बनाना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बढ़ा हुआ बजट जीपीयू क्षमता बढ़ाने, स्वदेशी फाउंडेशन मॉडल विकसित करने और अधिक स्टार्टअप्स को शामिल करने में खर्च किया जाएगा। सरकार ने पहले ही चार स्टार्टअप सर्वम एआइ, सॉकेट एआइ, गण एआइ और ज्ञानी एआइ को चयनित किया है, जो भारत के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में मल्टी-लैंग्वेज और एडवांस्ड एआइ मॉडल्स तैयार कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर सर्वम एआइ प्रशासनिक सेवाओं के लिए 120 अरब पैरामीटर वाला ओपन-सोर्स बना रहा है, जबकि ज्ञानी एआई वॉयस-बेस्ड, रीयल-टाइम स्पीच प्रोसेसिंग मॉडल तैयार कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, भारत की जीपीयू क्षमता को 18,417 से बढ़ाकर 40,000 किया गया है। यह मिशन भारत को एआई स्टैक की हर परत–डेटा, मॉडल, क्लाउड से लेकर एप्लिकेशन तक में स्वतंत्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा। सरकार आठ और कंपनियों को एआई मॉडल डेवलपमेंट के अनुबंध देने की प्रक्रिया में है, जिनमें टेक महिंद्रा, फ्रैक्टल, भारतजेन और जेनलूप शामिल हैं।

आईसीआईसीआई बैंक को 49.11 करोड़ का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली आईसीआईसीआई बैंक को जीएसटी के कथित कम भुगतान को लेकर 49.11 करोड़ रुपए का डिमांड नोटिस मिला है। यह आदेश 15 सितंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राजस्व आयुक्त (अपील) द्वारा पश्चिम बंगाल जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 107 के तहत जारी किया गया। इस मांग में 23.52 करोड़ कर, 23.23 करोड़ ब्याज और 2.35 करोड़ जुर्माना शामिल है। विवाद का मुख्य मुद्दा बैंक द्वारा उन ग्राहकों को दी गई सेवाएं हैं, जो अपने खातों में न्यूनतम शेष राशि बनाए रखते हैं। कर अधिकारियों का मानना है कि इन सेवाओं पर जीएसटी देय है। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि वह आदेश की समीक्षा कर रहा है और समयसीमा के भीतर अपील करेगा। बैंक ने पूर्व में भी इसी मुद्दे पर विभिन्न कर अधिकारियों से नोटिस और आदेश प्राप्त किए हैं।

इस्पात उद्योग को कार्बन-मुक्त करने योजना लाएगी सरकार: सचिव

नई दिल्ली इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने बुधवार को कहा कि सरकार स्वच्छ इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की योजना पर काम कर रही है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एफटी लाइव एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि सतत इस्पात के लिए राष्ट्रीय मिशन का प्रस्ताव विचाराधीन है। यह 5,000 करोड़ रुपये की योजना है। पौंड्रिक ने कहा कि इस योजना में देश के सभी इस्पात विनिर्माता शामिल होंगे, जिसमें 75-80 प्रतिशत धनराशि द्वितीयक क्षेत्र की कंपनियों के लिए निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करके इस्पात उत्पादन में कम कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देना है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पेरिस समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता है और इसका लक्ष्य शुद्ध-शून्य उत्सर्जन वाला देश बनना है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 74 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.83 पर बंद हुआ। इससे पहले अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना के बीच आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले 28 पैसे मजबूत होकर 87.81 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय में रुपया मंगलवार को 88.09 से बढ़कर बुधवार को 87.81 पर पहुंच गया। इसके विपरीत, डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी बढ़कर 96.73 पर कारोबार कर रहा था, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाता है। फेडरल रिजर्व की आगामी घोषणाओं से वैश्विक मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना बनी हुई है ।

भारत का बड़ा लक्ष्य: 2047 तक 1,800 गीगावॉट गैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता

नई दिल्ली

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक एनर्जी ट्रांजिशन समिट में बताया कि भारत ने गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 2047 तक बढ़ाकर 1,800 गीगावॉट करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में यह क्षमता 252 गीगावॉट है। उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक इसे 500 गीगावॉट तक बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। जोशी ने बताया कि भारत की सौर बिजली उत्पादन क्षमता 2014 में 2.82 गीगावॉट से बढ़कर अब 124 गीगावॉट तक पहुंच चुकी है। पवन ऊर्जा क्षमता भी इसी दौरान 21 गीगावॉट से 53 गीगावॉट हो गई है। देश में नवीकरणीय ऊर्जा का तेजी से विकास हो रहा है और चालू वित्त वर्ष के पांच महीनों में 23 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई है। मंत्री ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत 20 लाख से अधिक सौर उत्पादन संयंत्र लगाए गए हैं। इस साल की नीतिगत पहलों के चलते 30 लाख नए संयंत्र लगाने का लक्ष्य है। इसी के साथ भारत 1.5 वर्षों में 1 करोड़ रूफटॉप सोलर इंस्टालेशन पूरा करने की दिशा में अग्रसर है। जोशी ने यह भी बताया कि देश की सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता अब 100 गीगावॉट तक पहुंच चुकी है, जो मार्च 2024 और मार्च 2025 के बीच दोगुनी हो जाएगी। साथ ही, सोलर फोटोवोल्टेइक सेल निर्माण क्षमता 9 गीगावॉट से बढ़कर 27 गीगावॉट हो गई है।यह स्पष्ट है कि

भारत नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है और 2047 तक अपने ऊर्जा उत्पादन को पूरी तरह से स्थायी बनाने का मजबूत संकल्प लिए हुए है।

अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स का 687 करोड़ का आईपीओ 22 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली

बिजली, वाहन और इन्वर्टर ड्यूटी ट्रांसफार्मर बनाने वाली कंपनी अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का 687 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 सितंबर को खुलेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए 718 से 754 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है, जिससे कंपनी का ऊपरी स्तर पर मूल्यांकन लगभग 5,800 करोड़ रुपये बैठता है। अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स का आईपीओ 24 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 19 सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। गुजरात स्थित यह कंपनी आईपीओ के तहत 400 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी और प्रवर्तक तथा अन्य शेयरधारकों द्वारा मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर 287 करोड़ रुपये मूल्य के 38.1 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। कंपनी नए शेयरों की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग ऋण भुगतान, कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

अदाणी पोर्ट्स करेगा 30,000 करोड़ का बड़ा निवेश

– 2030 तक 1 बिलियन टन माल हैंडलिंग का लक्ष्य

मुंबई अदाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) अगले दो वर्षों में अपने घरेलू ऑपरेशन को बढ़ाने के लिए लगभग 30,000 करोड़ का निवेश करने जा रहा है। यह निवेश मौजूदा वित्तीय वर्ष के 11,000-12,000 करोड़ रुपए के निवेश से दोगुना होगा। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक सालाना 1 बिलियन टन माल संभालना है, जिसमें 850 मिलियन टन भारत के पोर्ट्स से और 140-150 मिलियन टन विदेशी पोर्ट्स से आएगा। वित्त वर्ष 26 में निवेश इस प्रकार होगा: पोर्ट्स में 6,500-7,000करोड़, लॉजिस्टिक्स में 2,300 करोड़, रिन्यूएबल्स में 1,500 करोड़ और मरीन सर्विसेज़ में 700-800 करोड़ खर्च किए जाएंगे। निवेश का बड़ा हिस्सा गुजरात के मुंद्रा, ओडिशा के धमरा और केरल के विजिन्जम पोर्ट्स में बर्थ और टर्मिनल बढ़ाने तथा विजिन्जम ट्रांसशिपमेंट हब के विस्तार में किया जाएगा। विजिन्जम हब ने लॉन्च के नौ महीनों में 1 मिलियन टीईयू से अधिक कंटेनर हैंडल कर लिए हैं। मुंद्रा पोर्ट पर रूसी क्रूड तेल लेकर आया प्रतिबंधित टैंकर स्पार्टनपहुंचा, जिसे एचपीसीएल-मित्तल इनर्जी लि मिटेड के लिए तेल उतारना था। एपीएसईजेड ने 11 तंबर से पश्चिमी देशों के प्रतिबंधित टैंकरों को पोर्ट में प्रवेश से रोक रखा है। वहीं, दूसरा प्रतिबंधित टैंकर नोबल वाकर ने मुंद्रा की जगह वडिनार पोर्ट का रुख किया। पिछ्ले आठ महीनों में मुंद्रा पोर्ट ने रोजाना करीब 1,80,000 बैरल रूसी क्रूड तेल हैंडल किया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स 313, निफ्टी 91 अंक ऊपर आया

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुए। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी होने से आई है। आज 30 शेयरों वाला बीएसई बीएसई सेंसेक्स 313.02 अंक बढ़कर 82,693.71 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी आज 91.15 अंकों की तेजी के साथ ही 25,330.25 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 की 34 कंपनियों के शेयर ऊपर आकर बंद हुए। वहीं 16 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, बजाज फिनसर्व के शेयर आज सबसे ज्यादा 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में उछाल आया। सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज बीईएल के शेयर 2.36 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.43 फीसदी, , मारुति सुजुकी 1.35 फीसदी, ट्रेंट 1.21 फीसदी, , अल्ट्राटेक सीमेंट 1.20 फीसदी, , टेक महिंद्रा 1.03 फीसदी, , टीसीएस 0.87 फीसदी, , टाटा मोटर्स 0.77 फीसदी, , इंफोसिस 0.77 फीसदी, , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं वहीं दूसरी ओर, टाइटन के शेयर 0.98 फीसदी, , आईटीसी 0.93 फीसदी, , टाटा स्टील 0.44 फीसदी, , पावरग्रिड 0.42 फीसदी, , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.26 फीसदी, , एचसीएल टेक 0.21फीसदी, , आईसीआईसीआई बैंक 0.20 फीसदी टूटकर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह कारोबार की शुरुआत तेजी से हुई। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर सकारात्मक खबरों ने निवेशकों के सेंटीमेंट को मजबूती दी।

इससे बाजार में लगभग सभी सेक्टरों में खरीदारी देखी गई, खासकर आईटी स्टॉक्स ने बाजार को अच्छा सपोर्ट दिया। सेंसेक्स 82,506.40 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 150.49 अंक की तेजी के साथ 82,531.18 पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 25,276 पर खुला और जल्द ही 25,300 अंक के पार निकल गया। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट रही, जिसका मुख्य कारण वॉल स्ट्रीट में मंगलवार को आई कमजोरी थी।

जापान का टॉपिक्स 0.53 फीसदी गिर गया, जबकि कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 क्रमशः 0.94 और 0.63 फीसदी नीचे रहे। निवेशकों की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय बैठक पर टिकी है। अनुमान है कि फेड इस बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, जो वैश्विक बाजारों के लिए राहत की खबर हो सकती है।

सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने बैंगलोर में 50-बेड का नया अस्पताल शुरू किया

इंटरनेशनल नी एंड ऑर्थोपेडिक सेंटर के सहयोग से एचएसआर लेआउट में विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेंगी

बेंगलुरु

भारत का पहला 100त्र एफडीआई आधारित अस्पताल, सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल ने इंटरनेशनल नी एंड ऑर्थोपेडिक सेंटर के साथ मिलकर बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में एक अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल खोला है। इस 50-बेड की नई सुविधा का उद्घाटन कर्नाटक सरकार के मंत्री एम. बी. पाटिल ने किया।इस नए अस्पताल में कई प्रमुख बीमारियों के लिए विशेषज्ञ सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जिनमें ऑर्थोपेडिक्स, ऑर्थोस्पाइन, जनरल सर्जरी, कार्डियक सर्जरी, यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी और न्यूरोसर्जरी शामिल हैं। यह पहल रोगी-केंद्रित देखभाल, उन्नत तकनीक और नैदानिक उत्कृष्टता को मिलाकर स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई ऊँचाई पर ले जाएगी।उद्घाटन के दौरान, मंत्री एम. बी. पाटिल ने कहा, यह अत्याधुनिक संस्थान जोड़ों और रीढ़ की बीमारियों के उपचार में क्रांतिकारी साबित होगा। स्वस्थ नागरिक ही मजबूत परिवार और समृद्ध समाज का निर्माण करते हैं।सकरा वर्ल्ड हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक युइची नागानो ने कहा कि इंटरनेशनल नी एंड ऑर्थोपेडिक सेंटर के साथ यह सहयोग अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा, हमारी विशेषज्ञता और उन्नत तकनीकों को समुदाय तक पहुँचाकर हम समय पर उपचार और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करेंगे।

ग्रुप सीओओ लवकेश फासू ने बताया कि

यह सुविधा रोगियों को केंद्र में रखकर बनाई गई है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा स्वास्थ्य तंत्र बनाना है जो आधुनिक, उत्तरदायी और प्रगतिशील हो। वहीं, डॉ. चंद्रशेखर पी. ने कहा कि यह साझेदारी दो प्रतिष्ठित संस्थानों की शक्तियों को एक ही छत के नीचे लाएगी, जिससे एचएसआर लेआउट के निवासियों की बढ़ती स्वास्थ्य ज़रूरतों को पूरा किया जा सकेगा।यह नई सुविधा, अपने आधुनिक बुनियादी ढांचे, अनुभवी डॉक्टरों की टीम और 24×7 सहायक सेवाओं के साथ बनने जा रही है।

इस्पात उद्योग को कार्बन-मुक्त करने योजना लाएगी सरकार: सचिव

नई दिल्ली सचिव संदीप पौंड्रिक ने बुधवार को कहा कि सरकार स्वच्छ इस्पात निर्माण प्रौद्योगिकी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की योजना पर काम कर रही है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने राष्ट्रीय राजधानी में 'एफटी लाइव एनर्जी ट्रांजिशन समिट इंडिया' के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहो कि सतत इस्पात के लिए राष्ट्रीय मिशन का प्रस्ताव विचाराधीन है। यह 5,000 करोड़ रुपये की योजना है। पौंड्रिक ने कहा कि इस योजना में देश के सभी इस्पात विनिर्माता शामिल होंगे, जिसमें 75-80 प्रतिशत धनराशि द्वितीयक क्षेत्र की कंपनियों के लिए निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करके इस्पात उत्पादन में कम कार्बन उत्सर्जन को बढ़ावा देना है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत पेरिस समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता है और इसका लक्ष्य शुद्ध-शून्य उत्सर्जन वाला देश बनना है।

अर्बन कंपनी आईपीओ की धमाकेदार लिस्टिंग

- निवेशकों को मिला 8,400 रुपए से ज्यादा मुनाफा

नई दिल्ली

डॉमेस्टिक हेल्प से संबंधित सर्विसेज प्रोवाइडर अर्बन कंपनी आईपीओ के शेयर को बाजार में शानदार एंट्री के साथ लिस्ट हो गए। अर्बन कंपनी आईपीओ के शेयर बीएसई पर 161 रुपये प्रति शेयर पर लस्ट हुए। यह आईपीओ प्राइस बैंड के अपर एंड 103 रुपये की तुलना में 58 रुपये या 56.31 प्रतिशत का प्रीमियम दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर पटेल रिटेल के शेयर 162.25 रुपये पर लिस्ट हुए। यह इश्यू प्राइस के मुकाबले 59.25 रुपये या 57.52 प्रतिशत जायदा है। अर्बन कंपनी का आईपीओ लिस्टिंग काफी हद तक ग्रे मार्केट की उम्मीदों के अनुरूप रही। दलाल स्ट्रीट पर कंपनी की लिस्टिंग से पहले कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में लगभग 157.5 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे, जो आईपीओ इश्यू प्राइस से 54.5 रुपए या लगभग 52.91 प्रतिशत का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। अर्बन कंपनी आईपीओ ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर बीएसई पर 161 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। आईपीओ के हर लॉट में 145 शेयर थे। इस तरह, निवेशकों को हर लॉट पर 8410 रुपये का तगड़ा फायदा हुआ है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, अर्बन कंपनी के आईपीओ को 109 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ को पेशकश पर रखे गए 10.15 करोड़ शेयरों के मुकाबले 11.06 अरब शेयरों के लिए बोलियां मिली। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों ने आईपीओ को सबसे ज्यादा अप्लाई किया। उन्होंने अपने लिए रिजर्व हिस्से को 147.35 गुना अप्लाई किया।

जबकि नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों ने 77.82 गुना सब्सक्राइब किया। रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व हिस्से को 41.5 गुना बुक किया गया

एनायरा एनर्जी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम को आपूर्ति बढ़ाई

नई दिल्ली

नायरा एनर्जी ने सरकारी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपसीएल) को परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ा दी है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि दरअसल, यूरोपियन यूनियन (ईयू) के प्रतिबंधों के बाद रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की इस रिफाइनरी से निर्यात अचानक गिरकर शून्य हो गया है। अधिकारी ने एक कार्यक्रम में अलग से बताया, नायरा उत्पादों (पेट्रोलियम)की आपूर्ति घरेलू कंपनियों में मुख्यतौर पर एचपीसीएल और कुछ छोटी कंपनियों शैल को करेगी।' नायरा एनर्जी में रूस की दिग्गज तेल कंपनी रोसनेफ का 49 प्रतिशत स्वामित्व है। यूरोपियन यूनियन ने 18वें प्रतिबंध पैकेज की घोषणा 18 जुलाई को की थी। इससे नायरा एनर्जी की रिफाइनरी से यूरोप को होने वाला निर्यात पूरी तरह खत्म हो गया था। नायरा के परिष्कृत उत्पादों के एचपीसीएल को अधिक आपूर्ति करने से कंपनी पर प्रतिबंधों का असर कम होगा। कंपनी ट्रक और पाइपलाइन के जरिए गुजरात स्थित एचपीसीएल के टर्मिनल को उत्पादों की आपूर्ति कर सकती है। नायरा प्रमुख तौर पर एचपीसीएल को प्राथमिक तौर पर आपूर्ति बढ़ा रही है जबकि भारत की अन्य तेल कंपनियों जैसे इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के पास अपनी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त रिफाइनिंग क्षमता है। अधिकारी ने बताया कि निर्यात नहीं होने और कच्चे तेल की बाधित आपूर्ति के कारण अभी नायरा अपनी रिफाइनिंग क्षमता का 60 से 80 प्रतिशत ही उपयोग कर रही है।

ओला ने इंसेंटिव स्कीम के तहत सरकार से मांगी 400 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

-कंपनी ने यह क्लेम 2024-25 में 3,000 करोड़ की बिक्री के आधार पर किया

नई दिल्ली

भारत की इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री में अग्रणी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत सरकार से करीब 400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि का दावा किया है। कंपनी ने यह क्लेम वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 3,000 करोड़ की पात्र बिक्री के आधार पर किया है इससे कंपनी के शेयरों में हल्की तेजी आई और यह करीब 60.50 पर ट्रेड कर रहा है, जो पिछले बंद भाव से करीब 3 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। ओला इलेक्ट्रिक को यह फायदा इसलिए मिलने वाला है क्योंकि कंपनी ने उत्पादन और बिक्री दोनों में सरकार द्वारा तय मानकों को पूरा किया है। पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को स्थानीय उत्पादन और रेगुलेटरी नियमों का पालन करने पर इंसेंटिव दिया जाता है। इस आधार पर ओला को बिक्री का करीब 13 से 14 फीसदी यानी करीब 400 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बता दें

ओला इलेक्ट्रिक पिछले साल भी इस योजना के तहत इंसेंटिव पाने वाली इकलौती टू-व्हीलर कंपनी थी।

लगातार दूसरे साल भी कंपनी ने पात्र बिक्री में नंबर-वन पोजिशन हासिल कर अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है।हाल ही में कंपनी ने ऐलान किया था कि उसकी जेन 3 स्कूटर लाइनअप, जिसमें एस1 सीरीज के सभी मॉडल शामिल हैं, पूरी तरह से पीएलआई योजना के तहत प्रमाणित हो चुकी है।

यह कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली रेंज है और इसका सीधा असर कंपनी की कमाई और मुनाफे पर पड़ेगा। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि 2026 की दूसरी तिमाही से कंपनी की प्रॉफिटेबिलिटी में बड़ा उछाल आ सकता है। यह इंसेंटिव न केवल ओला की लिक्विडिटी और फाइनेंशियल पोजिशन को मजबूत करेगा, बल्कि पूरी ईवी इंडस्ट्री को भी सकारात्मक संदेश देगा।

महाराष्ट्र सरकार ने प्याज किसानों को राहत देने कई अहम फैसले लिए

– जमाखोरी पर सख्ती, सौर ऊर्जा से प्याज प्रसंस्करण और किसानों के हितों की सुरक्षा पर सरकार का फोकस

मुंबई

महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र सरकार से प्याज निर्यात पर मिलने वाली सब्सिडी को दोगुना करने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाना और घरेलू बाजार में कीमतों को स्थिर रखना है।

मंत्री ने बताया कि इस साल राज्य में प्याज का उत्पादन 55 लाख टन तक बढ़ गया है, जिससे कीमतों में गिरावट की संभावना है। इसे देखते हुए निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को उचित लाभ दिलाने के लिए यह कदम आवश्यक है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। लासलगांव की मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी है, की कीमतें बाजार में मानक के रूप में देखी जाती हैं। इसलिए राज्य सरकार ने बाजार में जमाखोरी और कृत्रिम गिरावट पर रोक लगाने के लिए जिला कलेक्टरों के अंतर्गत सतर्कता समितियों को सक्रिय किया है।

दीर्घकालिक उपायों के तहत सरकार सौर ऊर्जा आधारित प्याज निर्जलीकरण परियोजनाएं शुरू करने जा रही है। इन परियोजनाओं के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों की मदद से एक लाख टन प्याज का पाउडर और चिप्स के रूप में प्रसंस्करण किया जाएगा। इसके अलावा मंत्री ने वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य की 28 कृषि उपज बाजार समितियों के अध्यक्षों और सचिवों से संवाद कर स्थानीय स्तर पर गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने और किसानों के हितों की रक्षा करने के निर्देश दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्मृति मंधाना ने भारत के लिए वनडे में जड़ा सबसे तेज शतक, ध्वस्त किए कई रिकॉर्ड

मुल्लानपुर (पंजाब) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे मैच में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भारत के लिए वनडे में सबसे तेज शतक जड़ा जिससे कई रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए। महिला वनडे में नंबर एक बल्लेबाज बनने के बमुश्किल एक दिन बाद मंधाना ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुल्लानपुर में अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया।

मंधाना ने अपना 12वां वनडे शतक जड़कर इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट के इस प्रारूप में शतकों की संख्या की बराबरी कर ली। मंधाना को इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए सिर्फ 106 पारियों की जरूरत पड़ी, जबकि ब्यूमोंट ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 29वें ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाकर सिर्फ 77 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के खिलाफ इस प्रारूप में दूसरा सबसे तेज शतक है। मंधाना का 77 गेंदों में बनाया गया यह शतक भारत के लिए वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक भी है, इससे पहले उन्होंने इस साल की शुरुआत में राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ 70 गेंदों में शतक बनाया था।

वह महिला वनडे इतिहास में दो अलग-अलग कैलेंडर वर्षों में तीन या उससे ज्यादा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी हैं, इससे पहले उन्होंने 2024 में चार शतक लगाए थे। 29 वर्षीय इस बाएं हाथ की बल्लेबाज का यह कमाल 33वें ओवर में निराशाजनक अंत हुआ। उन्होंने ताहलिया मैक्ग्रा की गेंद पर डीप में एश्ले गार्डनर को कैच थमाया और 117(91) रन बनाकर आउट हुईं।

स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज मंधाना ने मुकाबले की पूर्व संध्या पर अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली। वह एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं, एक ऐसा स्थान जो उन्होंने पहली बार जनवरी 2019 में हासिल किया था और हाल ही में इस साल जुलाई में हासिल किया। शीर्ष पर यह उनका चौथा कार्यकाल है।

नीरज चोपड़ा ने पहले ही थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

तोक्यो (एजेंसी)। गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने बुधवार को पहले ही थ्रो में स्वतः क्वालीफिकेशन का 84 . 50 मीटर का आंकड़ा पार करके विश्व चैम्पियनशिप पुरूष भालाफेंक स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के नीरज ने क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए में पहला ही थ्रो 84.85 मीटर का फेंका।

चोपड़ा सबसे पहले थ्रो फेंकने के लिए उतरे थे और फाइनल में जगह बनाने के साथ ही रवाना भी हो गए। स्वतः क्वालीफिकेशन का 84.50 मीटर का आंकड़ा छूने वाले या सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ी बृहस्पतिवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे। जर्मनी के जूलियर वेबर ने भी 87.21 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफाई कर लिया। ग्रुप ए में शामिल 19 खिलाड़ियों में केशोर्न वालकॉट, याकूब वालेश और भारत के सचिन यादव भी हैं।

ग्रुप बी में पाकिस्तान के ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम, एंडरसन पीटर्स, जूलियस येगो, रोहित यादव ,यशवीर सिंह भी हैं। बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैम्पियनशिप में नीरज ने 88.17 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता था जबकि नदीम दूसरे और वालेश तीसरे स्थान पर रहे थे।

वरूण चक्रवर्ती पहली बार टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे, यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने

दुबई (एजेंसी)। स्पिनर वरूण चक्रवर्ती पहली बार ICC टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे भारतीय बने। चक्रवर्ती से पहले भारत के जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई ICC T20 गेंदबाजी रैंकिंग में शिखर पर पहुंच चुके हैं।

चक्रवर्ती ने एशिया कप में UAE के खिलाफ चार रन देकर एक और पाकिस्तान के खिलाफ 24 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले वह फरवरी 2025 में दूसरे स्थान पर पहुंचे थे।

ICC ने एक बयान में कहा, 'भारतीय स्पिनर वरूण चक्रवर्ती को 2025 में लगातार अच्छे प्रदर्शन का ईनाम मिला है और वह ICC पुरूष टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज हो गए हैं।' बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव 16 पायदान की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर हैं जबकि स्पिन हरफनमौला अक्षर पटेल एक पायदान ऊपर 12वें स्थान पर पहुंच गए। बुमराह चार पायदान चढ़कर 40वें स्थान पर हैं।

हरफनमौलाओं में हार्दिक पंड्या शीर्ष पर है जबकि अभिषेक शर्मा चार स्थान चढकर 14वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में अभिषेक शीर्ष पर बने हुए हैं जिन्होंने करियर के सर्वोच्च 884 रेटिंग अंक हासिल कर लिए। शुभमन गिल 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तिलक वर्मा दो स्थान खिसककर चौथे और सूर्यकुमार यादव एक स्थान खिसककर सातवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे और जोस बटलर तीसरे स्थान पर हैं।

आरपी और प्रज्ञान को मिल सकती है बीसीसीआई चयन समिति में जगह

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और स्पिनर प्रज्ञान ओझा अब चयनकर्ता की भूमिका में नजर आ सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार प्रज्ञान ओझा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आर पी को चयन समिति में जगह मिल सकती है।गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने पिछले माह ही दो राष्ट्रीय चयनकर्ता पदों के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें हालांकि दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों ने रुचि नहीं दिखायी। केवल पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने आवेदन किया था। वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष विंस्टन जैदी और हिमाचल प्रदेश के शक्ति सिंह सेंट्रल जोन से अन्य उम्मीदवार थे।

बीसीसीआई ने अपने दो निवर्तमान चयनकर्ताओं सुब्रतो बनर्जी (सेंट्रल जोन) और एस शरत (साउथ जोन) की जगह लेने वाले उम्मीदवारों के लिए जरुरी योग्याताएं बीसीसीआई के अनुसार इन पदों के लिए वही व्यक्ति आवेदन कर सकता है। जिसने कम से कम सात टेस्ट मैच या 30 प्रथम श्रेणी मैच या 10 एकदिवसीय या 20 प्रथम श्रेणी मैच खेले हो। आवेदक को संन्यास लिए हुए पांच साल पूरे हो गये हों। इसके अलावा वह पांच साल की कुल अवधि के लिए बीसीसीआई की किसी भी क्रिकेट समिति का सदस्य नहीं होना चाहिए।

एक उम्मीदवार आर पी ने साल 2005 से 2011 के बीच 14 टेस्ट, 58 एकदिवसीय और 10 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वहीं ओझा ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 खेले हैं। ऐसे में ये दोनो ही जरुरी योग्यताएं पूरी करते हैं।

अब अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक वाली क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) इनके साक्षात्कार लेगी और उसके बाद चयनित नामों को बीसीसीआई पदाधिकारियों के पास भेजेगी।

ओमान के खिलाफ मैच में बुमराह को आराम दे सकती है भारतीय टीम

-अर्शदीप या हर्षित राणा को मिल सकतता है अवसर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को अपने अंतिम लीग मैच में शुक्रवार को ओमान से खेलेगी। इस मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है क्योंकि भारतीय टीम पहले ही सुपर फोर में पहुंच गयी है और ये मैच केवल औपचारिकता भर है। इस मैच में टीम प्रबंधन युवा तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा को अवसर दे सकता है। इस मैच में बुमराह के अलावा अन्य कोई बदलाव शायद ही किया जाये। भारतीय टीम सुपर चार में 21, 24 और 26 सितंबर को अपने मैच खेलेगी। इसके बाद 28 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा। ऐसे में भारतीय टीम फाइनल में पहुंची तो उसे कमुकाबले के लिए क्वालीफाई करती है तो उसेसात दिनों में कुल चार मैच खेलने पड़ सकते हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन बुमराह जैसे प्रमुख गेंदबाज को आगे के चुनौतीपूर्ण दौर के लिए तरोताजा रखना चाहेगा। बुमराह को औपचारिक मैच में उतारकर उनकी फिटनेस को खतरे में डालना टीम प्रबंधन नहीं चाहेगा। उन्हें किसी कम महत्व वाले मैच की जगह टूर्नामेंट के आखिरी चरण के लिए पूरी तरह से तैयार रखना प्रबंधन के लिए अधिक जरुरी है। ऐस में ओमान के खिलाफ अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से किसी एक को उतारा जा सकता है। अर्शदीप का दावा हालांकि मजबूत होगा क्योंकि वह अधिक अनुभवी है और टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्हें 100 विकेट पूरा करने के लिए केवल एक विकेट ही चाहिये।

पीसीबी ने आईसीसी को दूसरा पत्र भेजकर पायक्रॉफ्ट की जगह रिचर्डसन को मैच रैफरी बनाने की मांग रखी

लाहौर ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप के बहिष्कार से तो पीछे हट गया है पर मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को लेकर उसका विरोध बरकरार है।इसी कारण पीसीसी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को एक और पत्र भेजा है। पीसीबी ने इस पत्र में पायक्रॉफ्ट को हटाकर रिची रिचर्डसन को मैच रैफरी बनाने की मांग की है। गत दिवस ही पीसीबी ने आईसीसी को एक नये ईमेल में पायक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग रख दी। हालांकि अभी तक इस मामले में आईसीसी ने कुछ नहीं कहा है। पायक्रॉफ्ट से पाक को आपत्ति है। उसका मानना है कि वह भारतीय टीम से प्रभावित हैं। इस विवाद की शुरुआत भारत से साथ हुए मैच में हुई। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया।पीसीबी ने इस विवाद के लिये पायक्रॉफ्ट को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि उन्होंने पाक कप्तान सलमान आगा से कहा था कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाये और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान-प्रदान भी नहीं करने दिया।पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों पर खेल भावना का पालन नहीं करने और पायक्रॉफ्ट पर भेदभाव का आरोप लगाया।इसके बाद टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी भी दी और पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया।पाक टीम निदेशक नवीद अकरम चीमा ने आरोप लगाया है कि पायक्रॉफ्ट बीसीसीआई के निर्देशों पर काम कर रहे हैं।

अब मॉडल महिका के साथ हार्दिक के अफेयर की चर्चाएं

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या सार्बियाई मॉडल नताशा स्टैंकोविक से तलाक के बाद से ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं।नताशा से तलाक के बाद पहले उनकी जिंदगी में पहले ब्रिटिश सिंगर जैस्मिन वालिया आई थी पर उसके साथ ही उनका रिश्ता लंबा नहीं चला और दोनो के बीच ब्रेकअप हो गया।वहीं अब उनकी अफेयर की चर्चाएं मॉडल महिका शर्मा से चल रही हैं।यह सब तब शुरू हुआ जब महिका की एक सेल्फी के बैकग्राउंड में हार्दिक जैसी झलक दिखने का दावा किया गया. इतना ही नहीं महिका की एक पोस्ट में जर्सी नंबर 33 का जिक्र था, जो हार्दिक का है।दोनों के सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को फॉलो करने और महिका के हार्दिक की पोस्ट्स को लाइक करने से भी अफवाहों को बल मिला है।हालांकि अभी तक हार्दिक और महीका ने अपने रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान दिया है।जहां तक महिका की बात है।वह एक उभरती हुई मॉडल और अभिनेत्री हैं, जिसने इकोनॉमिक्स और फाइनेंस में डिग्री हासिल करने के बाद मॉडलिंग और एक्टिंग को अपनाया।महिका कई म्यूजिक वीडियोज, फिल्मों के अलावा बड़े ब्रांड्स के लिए विज्ञापन अभियान में भी शामिली रही हैं।वहीं सोशल मीडिया पर अब हार्दिक और महिका के अफेयर की अफवाएं जोरों पर हैं।

बांग्लादेश से हार के बाद रोने लगे राशिद खान, इन खिलाड़ियों की निकाली गलती

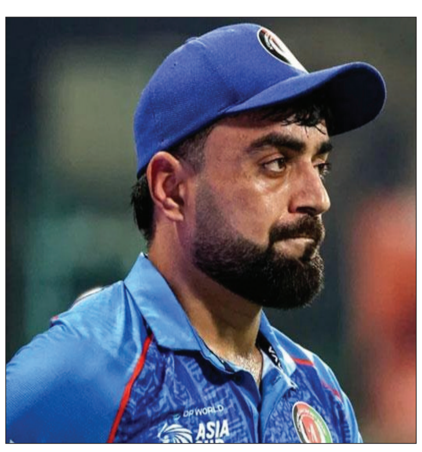

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ अपने दूसरे लीग मैच के दौरान खराब खेलने के लिए अपने साथियों को दोषी ठहराया और लिटन दास की अगुवाई वाली टीम ने उन्हें आठ रनों से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर फोर की दौड़ में बने रहने के लिए जीत हासिल की।

बांग्लादेश के खिलाफ 11 गेंदों पर 20 रन बनाने वाले राशिद का मानना है कि उन्होंने कुछ गैरजिम्मेदाराना शॉट खेले और उन्होंने खुद पर काफी दबाव बना लिया।

राशिद खान ने मैच के बाद कहा, 'हम अंत तक मैच में थे, लेकिन उसे जीत नहीं सके। 18 गेंदों में 30 रन बनाना आसान था। हमने उस तरह का क्रिकेट नहीं खेला जिसके लिए हम जाने जाते हैं - आक्रामक क्रिकेट। हमने खुद पर बहुत दबाव बना लिया। जिस तरह से हमने गेंद से वापसी करते हुए उन्हें 160 के अंदर रोका, वह खास था। लेकिन बल्लेबाजी में हमने कुछ गैर-जिम्मेदाराना शॉट खेले।'

टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में हांगकांग के खिलाफ शानदार जीत के बाद अफगानिस्तान अब अपने तीसरे ग्रुप स्टेज मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा, जो उसी मैदान पर होगा। राशिद ने कहा कि उनकी टीम अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबले के लिए श्रीलंका के खिलाफ पूरी तैयारी के साथ उतरेगी।

राशिद ने आगे कहा, 'टी20 में कभी-कभी विरोधी टीम पहले छह ओवरों में ही मैच अपने नाम कर लेती है, लेकिन फिर आपको वापसी करनी होती है। इस मैच से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। एशिया कप में हर मैच अहम होता है। हमें श्रीलंका के खिलाफ अच्छी तैयारी करनी होगी, यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

सूर्यकुमार बेहतरीन कप्तान के तौर पर उभरे : कैफ

मुम्बई ।पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में अच्छी कप्तानी के लिए सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा की है।कैफ ने कहा कि सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी के साथ ही भारतीय टीम को एकतरफा जीत दिलायी। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, सूर्यकुमार इस एशिया कप में एक बेहतरीन कप्तान के रूप में उभरे हैं।भारी दबाव वाले मैच में विजयी रन बनाना, गेंदबाजों पर नियंत्रण करना और सोशल मीडिया के प्रभाव से टीम को बचाना आसान नहीं था पर उन्होंने इसके बाद भी सब कुछ काफी अच्छे से संभाला।सूर्यकुमार ने टीम की जीत को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित किया।इसके अलावा टॉस के दौरान और मैच के बाद भी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर एक कड़ा संदेश भी दिया।

वनडे में संन्यास से वापसी के बाद ग्लेन मैक्सवेल ने खेली धमाकेदार पारी, सिर्फ इतनी गेंदों में ठोका शतक

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वनडे विश्व कप विजेता ग्लेन मैक्सवेल ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से हार के बाद फिटनेस समस्याओं के कारण वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। विक्टोरिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप में वापसी करते हुए उन्होंने मार्नस लाबुशेन की क्वींसलैंड टीम के खिलाफ असफल रन चेज में 82 गेंदों में 107 रनों की शानदार पारी खेलकर ब्रिस्बेन के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दिलचस्प बात यह है कि विक्टोरिया के लिए अपने 15 साल के करियर में मैक्सवेल का लिस्ट ए (वन-डे) प्रारूप में यह पहला शतक है।

36 वर्षीय मैक्सवेल 311 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए उस समय बल्लेबाजी करने आए जब विक्टोरिया का स्कोर 24 ओवर में 104/5 था। माइकल नेसर ने नई गेंद से खूब धमाल मचाया, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस हैरिस को शून्य पर और हैरी डिक्सन को दहाई के स्कोर पर आउट किया। थॉमस रोजर्स ने 23 रन बनाए जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब 73 गेंदों पर 55 रन बनाकर आउट हुए।

रन चेज में मैक्सवेल का अकेले दम पर प्रयास

34वें ओवर में विक्टोरिया का स्कोर 164/7 था। मैक्सवेल ने अगले ओवर में दो छक्के लगाकर 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। जैसे-जैसे स्लॉग ओवर नजदीक आए, उन्होंने तेजी पकड़ी। 43वें ओवर में उन्होंने गुरिंदर संधू पर दो छक्के लगाकर 73 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। 46वें ओवर में मैक्सवेल का धैर्य भी जवाब दे गया क्योंकि आवश्यक रन रेट उनके हाथ से निकल गया। टॉम स्ट्रैकर ने उनका कैच लिया। मैक्सवेल ने 82 गेंदों में 107 रनों की पारी में 8 चौके और 7 छक्के लगाए। विक्टोरिया 46.2 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई और 55 रनों से मैच हार गई।

टीम इंडिया के लिए भाग्यशाली साबित हुए हैं

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के लिए ऑलराउंडर शिवम दुबे भाग्यशाली साबित हुए हैं।शिवम के आंकड़े देखने से ये बात साबित होती है।इस ऑलराउंडर ने अब तक 37 टी20 मैच खेले हैं जिसमें से 32 में उनके अंतिम ग्यारह में होने पर भारतीय टीम जीती है।ऐसे में कहा जाने लगा है कि शिवम का होना ही जीत की गारंटी बन गया है क्योंकि इससे पहले किसी क्रिकेटर के साथ ऐसा नहीं हुआ है। पिछले छह साल में उनके अंतिम ग्यारह में रहते टीम सभी मैच जीती है। शिवम ने साल 2019 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था हालांकि बांग्लादेश के खिलाफ हुए मैच में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और भारतीय टीम को भी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने तीन और मैच खेले, जिनमें भारतीय टीम जीती लेकिन पांचवें मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा।इसके बाद उनके रहते टीम एक भी मैच नहीं हारी।दिसंबर 2019 से अभी तक शिवम ने 32 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इसमें से 30 में भारतीय टीम जीती है।वहीं दो मुकाबले बारिश के कारण पूरे नहीं हुए। ये पहली बार है जब किसी खिलाड़ी के रहते हुए टीम इतने ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच जीत है।शिवम ने 37 मैचों की 27 पारियों में कुल 541 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का है और औसत 31.82 का है। वे 10 बार नॉटआउट रहे हैं, जबकि 37 चौके और 29 छक्के उनके बल्ले से निकले हैं।4 अर्धशतक भी उनके नाम दर्ज हैं।

अगर लिवरपूल में पदक नहीं मिलता तो फिर कोशिश नहीं करती: पूजा रानी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी मुक्केबाज पूजा रानी ने सोच लिया था कि अगर विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में चौथी बार खेलते हुए वह पदक नहीं जीत पाती तो दोबारा कोशिश नहीं करेंगी । लेकिन भिवानी की 34 वर्षीय इस मुक्केबाज को लिवरपूल में 80 किलो वर्ग में पोडियम पर खड़े होने का मौका मिला।

तोक्यो ओलंपिक खेल चुकी पूजा ने कहा, 'इस बार भी मैने खुद से कहा था कि अगर नहीं जीती तो दोबारा नहीं खेलूंगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं हमेशा अपना शत प्रतिशत देती हूं लिहाजा हारने पर दिल टूट जाता है । मैने पिछले चार पांच महीने से कडा अभ्यास किया था और मुझे खुशी है कि मेहनत रंग लाई। मैं मार्च में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से ही अभ्यास कर रही हूं।'

चार बार एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीत चुकी पूजा सेमीफाइनल में इंग्लैंड की एमिली एस्कीथ (श्वद्वद्य4ॅ ह्यह्वद्वह्लद्ध) से हार गई लेकिन कांस्य पदक जीता। इस पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं । यह मेरी चौथी विश्व चैम्पियनशिप थी और मैने पहली बार पदक जीता । यह खास है।' कुछ साल पहले कंधे की चोट और एक बड़े टूर्नामेंट से ठीक पहले हाथ जलने के कारण पूजा के कैरियर पर खतरा पैदा हो गया था लेकिन उसने तोक्यो ओलंपिक से पहले वापसी की।

पूजा ने 2019 और 2021 एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते हालांकि तोक्यो में वह 75 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गई। फिर मई 2022 में पिता के निधन के बाद उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप खेली लेकिन ब्रेक ले लिया। फिर 2023 की शुरूआत में उनका विवाह हुआ और एक साल बाद रिंग पर लौटकर उन्होंने राष्ट्रीय खिताब जीता। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक में 75 किलो वर्ग में जगह बना चुकी थी। पूजा ने पिछला एक साल 75 किलो से 80 किलो में जाने पर लगाया। अब उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक चक्र पर है। उन्होंने कहा, 'मैं सोच रही हूं कि अब 70 किलोवर्ग में चली जाऊं।'

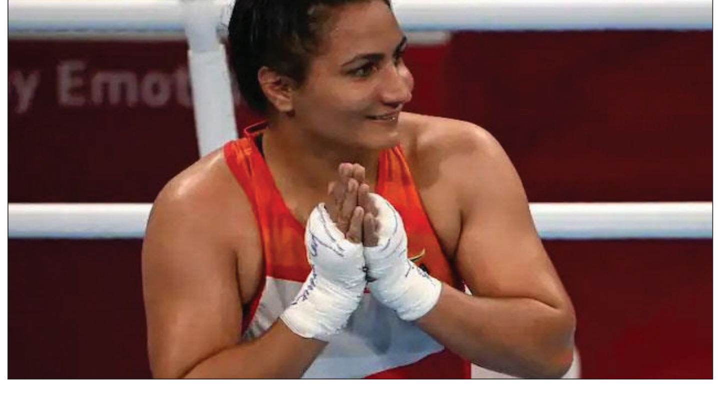

अब पॉडकास्ट करेंगी विलियम्स बहनें

न्यूयार्क ।अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस स्टार वीनस और उनकी बहन सेरेना विलियम्स अब पॉडकास्ट की दुनिया में उतरी हैं।सेरेना और वीनस ने पिछले दो दशक में टेनिस में सभी बड़े खिताब जीते हैं। सेरेना ने साल 2022 में अमेरिकी ओपन के रूप में अपना आखिरी टूर्नामेंट खेला था जबकि वीनस ने हाल में वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम के एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में भाग लिया था। सेरेना और वीनस अपने पॉडकास्ट का पहला एपिसोड ''स्टॉकटन स्ट्रीट'' लॉन्च करेंगी। ये नाम कैलिफ़ोर्निया के कॉम्पटन में उनके घर के नाम पर रखा गया है।यह हर दूसरे सप्ताह को प्रसारित होगा और इसे एक्स पर जारी किया जाएगा।इसका पहला एपिसोड अमेरिकी ओपन के मुख्य स्टेडियम आर्थर ऐश स्टेडियम में फिल्माया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पालमपुर के पास में स्थित इन शानदार हिल स्टेशन को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, बिताएं सुकून के पल

बहुत कम लोग पालमपुर को हिल स्टेशन मानते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

पालमपुर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का एक फेमस और खूबसूरत पहाड़ी शहर है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को बहुत कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास हिल स्टेशनों की तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

अगर आप भी पालमपुर के पास किसी शानदार हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले धर्मशाला का रुख करते हैं। वहीं अगर आप धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में यहां पर देश के कोने-कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – भागसू वाटरफॉल, धर्मकोट, धर्मशाला टी गार्डन, बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह सबसे ज्यादा पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक यहां पर पैराग्लाइडिंग के लिए पहुंचते हैं। यहां पर आप पहाड़ों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठा सकते हैं।

मुख्य आकर्षण – चोकलिंग मठ, गुनेहर वॉटरफॉल, बीर सनसेट पॉइंट, बरोट हिल स्टेशन

बरोट हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित छिपा खजाना माना जाता है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, झील-झरने और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में लोग पार्टनर, परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है।

मुख्य आकर्षण- बरोट मंदिर, लापस वॉटरफॉल, बाडा ग्रान ट्रेक, कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। बता दें कि यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है। कुल्लू अपनी खूबसूरती और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। कई पर्यटक वीकेंड पर लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – फ्रेंडशिप पीक, नग्गर कैसल, भृगु झील

इतिहास, विरासत और हथकरघे की नगरी है चंदेरी

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी (ष्द्धड्डठ्ठस्रद्गह्वद्ध) एक ऐतिहासिक नगर है जो अपने भव्य किलों, प्राचीन स्मारकों, जैन मंदिरों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर न केवल इतिहास प्रेमियों, बल्कि कला, संस्कृति और पारंपरिक वस्त्रों के शौकीनों के लिए भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चंदेरी का ऐतिहासिक महत्व

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण यह नगर व्यापार, विशेष रूप से वस्त्र उद्योग, का एक बड़ा केंद्र रहा है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. चंदेरी किला

बंदरगढ़ पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला 13वीं शताब्दी में बना था और चंदेरी के इतिहास की रक्षा करता प्रतीत होता है। यहां से पूरे शहर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। किले में कौशक महल नामक भव्य महल भी है, जिसे मुगल सम्राट जहांगीर के समय में बनवाया गया था।

2. जौरी की मस्जिद और बड़ी मस्जिद

चंदेरी की मस्जिदें अपनी मुगलकालीन वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। इनका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था और ये आज भी अपनी भव्यता और शांति के लिए जानी जाती हैं।

3. कटी घोड़ी

यह दो स्तंभों पर खड़ी एक अनूठी संरचना है, जो देखने में एक घोड़े के कटे हिस्से जैसी प्रतीत होती है। यह चंदेरी की पहचान बन चुकी है।

4. जैन मंदिर और नालगिरी पर्वत

यहां प्राचीन जैन मंदिरों की श्रृंखला है और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन तीर्थ क्षेत्र एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित है।

चंदेरी की साड़ियाँ

चंदेरी की पहचान सबसे अधिक उसकी चंदेरी साड़ियों से है। ये साड़ियाँ अपनी हल्के वजन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए प्रसिद्ध हैं। रेशम और सूती धागों से बनी ये साड़ियाँ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। चंदेरी शहर के विभिन्न बुनकर मोहल्लों में आज भी पारंपरिक हथकरघा तकनीक से इन साड़ियों का निर्माण होता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशनः ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी)

निकटतम हवाई अड्डाः ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी)

सड़क मार्गः चंदेरी झांसी, ललितपुर, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

ठहरने की व्यवस्था

चंदेरी में अब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई होटल और गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल भी हैं जो आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव प्रदान करते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

चंदेरी घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है। सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है और विरासत स्थलों की यात्रा अधिक सुखद होती है।

चंदेरी एक ऐसा नगर है जहां इतिहास की गलियों में कदम रखते ही समय ठहर जाता है। किले, महल, मस्जिदें, जैन मंदिर और हथकरघे की कला— यह सब मिलकर चंदेरी को एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। यदि आप भारतीय संस्कृति, शिल्प और इतिहास से रूबरू होना चाहते हैं, तो चंदेरी की यात्रा अवश्य करें।

भीमबेटकाः जहां 30,000 साल पुराना इतिहास आज भी जीवंत है

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

भारत की धरती प्राचीन सभ्यताओं और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर है, और मध्य प्रदेश का भीमबेटका (Bhimbetka) इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्थल न केवल पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इतिहास, कला और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र है। भीमबेटका की गुफाएँ मानव सभ्यता की सबसे पुरानी झलकियों में से एक प्रस्तुत करती हैं।

भीमबेटका का इतिहास

भीमबेटका शैलाश्रय समूह भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में रायसेन ज़िले में स्थित है। इसका नाम महाभारत के भीम पात्र से जुड़ा हुआ माना जाता है। कहा जाता है कि यह स्थान पांडवों के वनवास काल के दौरान उनका विश्राम स्थल रहा था।

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों (UNESCO World Heritage Sites) में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

शैलचित्रों की विशेषताएं

भीमबेटका की गुफाओं में पाए जाने वाले चित्र मुख्यत: लाल, सफेद और कभी-कभी पीले और हरे रंग में बने हुए हैं। इन चित्रों में शिकारी, नर्तक, जानवर, युद्ध दृश्य, सामाजिक गतिविधियाँ और धार्मिक प्रतीक शामिल हैं। यह चित्र मानव जीवन के प्रारंभिक स्वरूप, उनकी जीवनशैली और संस्कृति को उजागर करते हैं।

यहां करीब 750 गुफाएँ हैं, जिनमें से लगभग 15-20 को ही आम पर्यटकों के लिए खोला गया है। सबसे प्रसिद्ध गुफा है फ्रज्योति स्थलफ्र, जहाँ मानव आकृतियाँ नृत्य करती हुई दिखाई देती हैं।

पर्यटक अनुभव

भीमबेटका आने वाले पर्यटक एक अनोखे अनुभव का आनंद लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और गुफाओं की जटिल कलाकृति एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। जंगलों से घिरे हुए यह शैलाश्रय सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसे हुए हैं, जो खुद में एक रोमांचक यात्रा बन जाती है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डाः भोपाल (45 किमी)

रेल मार्गः भोपाल रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी है।

सड़क मार्गः भोपाल से टैक्सी या बस के माध्यम से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ठहरने की व्यवस्था

भोपाल शहर में पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के होटल उपलब्ध हैं — बजट से लेकर लक्ज़री तक। भीमबेटका में ठहरने की सुविधा नहीं है, अत: भोपाल में रुकना अधिक सुविधाजनक होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

भीमबेटका की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना और यात्रा के अनुकूल होता है।

भीमबेटका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह मानव सभ्यता के उद्भव और विकास की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। यह उन यात्रियों के लिए एक जरूरी स्थल है, जो इतिहास, संस्कृति और कला में रुचि रखते हैं। एक बार भीमबेटका की यात्रा करना, जैसे समय की सुरंग में प्रवेश कर मानव विकास की प्राचीन यात्रा को प्रत्यक्ष रूप से देखना है।

मिनी पहलगाम के नाम से फेमस है नॉर्थ बंगाल का माझीधुरा, प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग

दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है।

हिमालय की तलहटी से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ पश्चिम बंगाल एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। यह राज्य बंगाल की खाड़ी के किनारे में स्थित दीघा, ताजपुर बीच या उदयपुर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ठीक उसी तरह हिमालय में स्थित सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के लिए भी जाना जाता है। दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माझीधुरा की खासियत और यहां पर घूमने वाली कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माझीधुरा

माझीधुरा दार्जिलिंग से करीब 11 किमी दूर पहाड़ी पर स्थित एक शांत और सुरम्य पहाड़ी गांव है। यह जगह दार्जिलिंग से 11 किमी दूर और सिलीगुड़ी से 74 किमी और पश्चिम बंगाल के मिरिक से करीब 7-8 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है ये जगह

समुद्र तल से करीब 4 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित माझीधुरा बंगाल का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आपको चारों ओर हरियाली, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय के बागान देखने को मिलेंगे।

माझीधुरा में अल्पाइन के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान और झील-झरनों के कारण इस जगह को मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। यह पहाड़ी गांव अपनी स्थानीय परंपरा के लिए भी फेमस है। माझीधुरा को पशु-पक्षियों का घर भी कहा जाता है।

पर्यटकों के लिए है खास

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और मिरिक जैसे हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। जबकि माझीधुरा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर न तो गाड़ी हॉर्न और न होटलों में भीड़ दिखाई देगी। यहां पर आपको सिर्फ प्रकृति और ठंडी-ठंडी हवाओं की आवाजें सुनाई देंगी।

माझीधुरा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पर्यटक कैंपिंग, ट्रैकिंग और हाईकिंग का लुत्फ उठाते हैं। माझीधुरा में गर्मी से लेकर सर्दी तक में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

बिहार में अडानी को दी गई जमीन के विरोध में कांग्रेस का आज विशाल मार्च

पटना (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले में अडानी की कंपनी को बिहार सरकार द्वारा दी गई जमीन के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस द्वारा आज दिनांक 18 सितंबर को राजधानी पटना में विशाल मार्च का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी कांग्रेस के मीडिया कमेटी के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने दी।उन्होंने बताया की आप सभी को ज्ञात है, हमारी पार्टी ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है कि बिहार सरकार ने भागलपुर में अडानी समूह को मात्र 1 रुपया प्रति वर्ष की दर से 1,050 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़ दिए हैं। यह सौदा न सिर्फ किसानों के साथ अन्याय है, बल्कि यह बिहार की जनता के साथ एक बड़ी लूट भी है। इस अन्याय और लूट के ख़िलाफ़, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एक विशाल विरोध मार्च का आयोजन किया है। इस मार्च का उद्देश्य इस सौदे को रद्द करने की मांग करना और जनता को जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि यह मार्च गुरुवार सुबह 10 बजे पटना में सदाकत आश्रम से शुरू होकर राजेन्द्र बाबू की समाधि, बांसघाट तक जाएगी। इस मौके पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता डॉ.शकील अहमद खान विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ.मदन मोहन झा समेत प्रदेश के सभी कांग्रेस सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, विधान पार्षद के साथ सभी बड़े नेता उपस्थित रहेंगे।

करोड़ों का कैश, फ्लैट, 6 प्लॉट्स और फार्मलैंड, इंजीनियर के घर....नोटों का जखीरा बरामद

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के हैदराबाद में एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने टीजीएसपीडीसीएल के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर (एडीई) अम्बेडकर एरुगु के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज हुआ है। एसीबी की छापेमारी में उनके और उनके रिश्तेदारों के घरों से करोड़ों रुपये की नकदी बरामद हुई है।एसीबी टीम की छापेमारी में 2.18 करोड़ नकद, एक फ्लैट, एक जी+5 बिल्डिंग, 10 एकड़ जमीन पर एक कंपनी, 6 प्लॉट्स, एक फार्मलैंड के कागज मिले हैं। साथ ही दो फोर व्हीलर्स, सोने के जेवर और बैंक में जमा रुपयों का पता चला है। एसीबी अधिकारियों ने कहा, तलाशी से पता चला कि इंजीनियर ने अपने पद का दुरुपयोग करके ये चल-अचल संपत्तियां बनाई हैं। तलाशी अभी भी जारी है। संपत्तियों का बाजार मूल्य उनके आधिकारिक मूल्य से कहीं ज़्यादा है। आरोपी इंजीनियर को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि यह एक महीने से भी कम समय में एसीबी द्वारा पकड़ा गया आय से अधिक संपत्ति का दूसरा बड़ा मामला है। 19 अगस्त को एसीबी ने एक तहसीलदार पर छापे के दौरान 5 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का पता लगाया था। अधिकारियों ने वारंगल जिले के वारंगल फोर्ट मंडल के तहसीलदार बांदी नागेश्वर राव से जुड़े सात स्थानों पर तलाशी ली।

गैंगस्टर छोटा राजन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत को रद्द कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर छोटा राजन (राजेंद्र सदाशिव निकलजे) को बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत को रद्द कर दिया है। यह फैसला होटल कारोबारी जया शेट्टी की 2001 में हुई हत्या के मामले में आया है, जिसमें छोटा राजन को उम्रकैद की सजा मिली थी। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने सीबीआई की दलीलों पर यह आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छोटा राजन पहले से ही चार अन्य मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है और 27 साल तक फरार रहा था। इसके बाद उसकी सजा को निलंबित करने का कोई कारण नहीं है। वहीं छोटा राजन के वकील ने दावा किया कि यह मामला सबूतों के बिना है और 71 में से 47 मामलों में सीबीआई को उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिले थे। हालांकि, वकील ने यह स्वीकार किया कि यह हत्या के मामले में उसकी दूसरी सजा है। हत्या का मामला- जया शेट्टी, जो दक्षिण मुंबई के गोल्डन क्राउन होटल के मालिक थे, को छोटा राजन के गिरोह से रंगदारी की धमकियाँ मिल रही थीं। मई 2001 में, उन्हें उनके कार्यालय के बाहर गोली मार दी गई थी, क्योंकि उन्होंने गिरोह को पैसे देने से मना कर दिया था। 2024 में, मुंबई की एक विशेष मकोका अदालत ने छोटा राजन को इस मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। छोटा राजन को अक्टूबर 2015 में इंडोनेशिया के बाली में गिरफ्तार किया गया था और फिर उसे भारत लाया गया था। महाराष्ट्र में उसके खिलाफ कुल 71 मामले दर्ज थे, जिन्हें बाद में सीबीआई को सौंप दिया गया था।

दो महिला नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया, हथियार और अन्य सामान बरामद

गढ़चिरोली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि गट्टा दालम के सदस्य एटापल्ली तालुका के मोडस्के गांव के जंगल में छिपे हुए हैं। पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (आहेरी) सत्य साई कार्तिक की देखरेख में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इसमें आहेरी से पांच सी-60 कमांडो यूनिट, गट्टा जांभिया पुलिस पोस्ट के जवान और सीआरपीएफ की 191 बटालियन की कंपनी शामिल थी। इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया तभी नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सी-60 कमांडो ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, दो महिला नक्सलियों के शव मिले। एक एके-47, एक आधुनिक पिस्टल, जिंदा कारतूस, बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस का कहना है कि इलाके में कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी है।

देश की प्रदूषण मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला-

पराली जलाने वालों की गिरफ्तारी क्यों नहीं करते

-जुर्माना नाकाफी, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश की प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां और राज्य सर्दियों से पहले तीन हफ्ते में वायु प्रदूषण से निपटने के उपाय बताएं। कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें पटाखे और पराली जलाना शामिल है। अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट , सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से कहा कि हर साल सर्दियों में प्रदूषण का लेवल खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है, इसलिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है। कोर्ट ने किसानों द्वारा पराली जलाने को लेकर कहा कि जो किसान पराली न जलाने के सरकारी निर्देशों का उल्लंघन करते हैं, उनको गिरफ्तार क्यों नहीं करते? सिर्फ जुर्माना लगाने से काम नहीं चलेगा, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी है।

पराली जलाने वाले किसानों को मिनिमम सपोर्ट प्राइस सिस्टम के लाभ से बाहर रखा जाना चाहिए, क्योंकि यदि कोई किसान कानून तोडक़र पराली जलाता है, तो उसे आर्थिक रूप से भी सजा देनी चाहिए, सिर्फ जुर्माना भरना या चेतावनी देना काफी नहीं है। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को पराली प्रबंधन की मशीनरी दी जाए और उनको बेहतर विकल्प दिए जाएं ताकि वे पराली जलाने के जगह अन्य तरीकों का उपयोग कर सकें। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों को निर्देश दिया कि पराली जलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए सिर्फ नाममात्र का जुर्माना लगाने से समस्या नहीं सुलझेगी। हालांकि किसान को केवल खलनायक के रूप में पेश करना गलत है। उसके पक्ष की भी सुनवाई होनी चाहिए।

एजेंसियां-राज्य 3 महीने में वैकेंसी भरें

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों को फटकार लगाई। बेंच ने कहा कि इन राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में लंबे समय से खाली पड़े पद तीन महीने के अंदर भरे जाएं। इसके अलावा, कोर्ट ने सीएक्यूएम और सीपीसीबी को भी निर्देश दिया कि वे अपने यहां खाली पड़े पदों पर भी 3 महीने के अंदर भर्ती करें। वहीं पदोन्नति से जुड़ी भर्तियों के लिए 6 महीने का समय तय किया गया है।

पराली जलाने पर 30 हजार तक जुर्माना

केंद्र सरकार ने 7 नवंबर 2024 को पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माना दोगुना किया था। पर्यावरण मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन जारी कर बताया था कि अब 2 एकड़ से कम जमीन पर 5000 रुपए का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ तक 10,000 रुपए और पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वालों से 30,000 रुपए जुर्माना वसूला जाएगा। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली सरकार इन नियमों को लागू करने के लिए बाध्य होंगी।

राहुल गांधी एक सप्ताह में दूसरी बार आज गुजरात आएंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल यानी 18 सितंबर, 2025 जूनागढ़ का दौरा करेंगे। एक हफ्ते में यह उनका दूसरा दौरा है। वह 10 दिनों से चल रहे कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और जिला व महानगर अध्यक्षों का मार्गदर्शन करेंगे। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं और राहुल गांधी का यह दौरा पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक नई दिशा देगा। यह प्रशिक्षण शिविर संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत 10 से 19 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें गुजरात के 41 जिला एवं महानगर अध्यक्ष उपस्थित हैं। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। इन विषयों में पार्टी की विचारधारा, मतदाता सूची प्रबंधन, धन उगाहना और बूथ स्तर पर मज़बूती शामिल हैं। राहुल गांधी ने पहली बार 12 सितंबर को इस शिविर में भाग लिया था। उस दौरान उन्होंने वोट चोरी जैसे मुद्दों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया था। वह कल फिर आएंगे और कार्यकर्ताओं को आगे का मार्गदर्शन देंगे। राहुल गांधी कल दोपहर 1 बजे केशोद हवाई अड्डे पर पहुँचेंगे और फिर सड़क मार्ग से जूनागढ़ आएँगे। वे लगभग 3 घंटे तक कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में मौजूद रहेंगे और मार्गदर्शन देंगे। इस शिविर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस सांसद और गुजरात कांग्रेस प्रभारी मौजूद रहेंगे। इस दौरे से कांग्रेस को 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण में जिला अध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों को पार्टी की मजबूती, मतदाता सूची और चुनावी रणनीतियों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राहुल गांधी के गुजरात दौरे से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आएगी और इससे 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। बता दें कि पिछले कुछ सालों से गुजरात में कांग्रेस के बड़े नेताओं की आवाजाही बढ़ गई है। राहुल गांधी भाजपा का गढ़ माने जाने वाले गुजरात में कांग्रेस को मजबूत के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय राजनेता बताया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर लखनऊ में सेवा पखवाड़ा-2025 की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में मनाया जाएगा, जिसमें भाजपा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों से जुड़ेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय राजनेताओं में से एक बताया। योगी ने बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे क्षेत्रों में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि गांवों, किसानों, महिलाओं और समाज के वंचित वर्गों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर भारतीय, जो राजनीति से प्रेरित नहीं है, प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर गर्व महसूस करता है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और काशी विश्वनाथ धाम के जीर्णोद्धार जैसे ऐतिहासिक कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विरासत से जुड़े स्थलों के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का काम लगातार जारी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका की प्रशंसा करते हुए योगी ने कहा कि जब पूरी दुनिया इस संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक रोल मॉडल बनकर दिखाया। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत 18 और 19 सितंबर को हर जिले के अस्पतालों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सीएम नीतीश ने 16 लाख मजदूरों को दिए 5 हजार... मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का शुभारंभ

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को श्रमिकों के हित में एक बड़ी पहल की है। बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत वार्षिक वस्त्र सहायता योजना की राशि का सीधा अंतरण किया गया। इस योजना के तहत राज्य के 16 लाख 4 हजार 929 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपये की दर से कुल 802 करोड़ 46 लाख 45 हजार रुपये उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। नीतिश सरकार का दावा है कि इस पहल से निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों के जीवनस्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। आर्थिक सहायता मिलने से जहां श्रमिकों को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं उनका सामाजिक और आर्थिक विकास भी संभव होगा। इस मौके पर दोनों डिप्टी सीएम कार्यक्रम में रहे मौजूद रहे। श्रम संसाधन विभाग के मंत्री सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री नीतिश ने कहा कि उनकी सरकार शुरू से ही समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही है और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर सीएम नीतिश ने मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक अधिक पारदर्शी और त्वरित ढंग से पहुंच सकेगा। नीतीश ने कहा कि उनकी सरकार का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और वंचित वर्ग के लोग सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने दो टूक कहा कि बिहार में श्रमिक वर्ग राज्य की प्रगति की रीढ़ है। इसके बाद उनके अधिकारों और जरूरतों की पूर्ति करना सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस तरह की योजनाएं श्रमिकों को मजबूती देंगी और उनके बच्चों का भविष्य भी बेहतर होगा। इस मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम चौधरी और विजय कुमार सिंह ने भी श्रमिक हित में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कांग्रेस को हाईकोर्ट से झटका, प्रधानमंत्री की मां का एआई वीडियो तुरंत हटाने का आदेश

पटना (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी को दर्शाने वाले एक एआई वीडियो को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां पर आधारित एआई वीडियो बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बुधवार को पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को वीडियो तुरंत हटाने का निर्देश दिया। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.बी. बजंथरी के समक्ष सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी का अपमान करने वाले वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का आदेश दिया। मालूम हो कि 10 सितंबर को, बिहार कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी की मां का एआई-आधारित चित्रण दिखाया गया है। इस विवादास्पद वीडियो में, दिवंगत हीराबेन मोदी का किरदार अपने बेटे नरेंद्र मोदी को राजनीतिक लाभ के लिए उनके नाम का दुरुपयोग करने के लिए डांटता हुआ दिखाई दे रहा है। भाजपा ने इस वीडियो का कड़ा विरोध करते हुए इसे मोदी की मां का अपमान बताया है। भाजपा ने वीडियो के खिलाफ पटना हाई कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। भाजपा ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि यह वीडियो न केवल प्रधानमंत्री की छवि धूमिल करता है, बल्कि एक मृत महिला की छवि का भी हनन करता है। दिल्ली पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ता संकेत गुप्ता की शिकायत पर 13 सितंबर को एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कांग्रेस नेताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई थी। प्राथमिकी में वीडियो को प्रधानमंत्री मोदी और उनकी माँ की छवि धूमिल करने वाला बताया गया है।

- कांग्रेस ने किया बचाव

कांग्रेस पार्टी ने वीडियो पर अपना बचाव किया है। पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, इस वीडियो में किसी का अपमान नहीं किया जा रहा है। माँ केवल अपने बेटे को राजधर्म की शिक्षा दे रही हैं, अगर प्रधानमंत्री को यह आपत्तिजनक लगता है, तो यह उनकी समस्या है।

प्रंचड गर्मी के बाद मूसलाधार बारिश... अब कपकंपा देने वाली ठंड के लिए तैयार रहे

अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना बनने की प्रबल उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल के अंत तक ला नीना के कारण मौसम का पैटर्न प्रभावित होगा और इसकारण भारत में इस बार कड़ाके की ठंड पड़ेगी है। एक अमेरिकी मौसम एजेंसी ने कहा कि अक्टूबर से दिसंबर के बीच ला नीना बनने की प्रबल उम्मीद बन रही है। मौसम विभाग ने बताया कि ला नीना प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय हिस्से में समुद्र सतह के तापमान के ठंडा होने की स्थिति है, इसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर दिखाता है और इसकारण भारत में इस बार कड़ाके की ठंड पड़ सकती है।

आईएमडी ने बताया कि अभी स्थितियां सामान्य बनी हुई हैं, लेकिन भारतीय मौसम विभाग का मानना है कि मॉनसून के बाद ला नीना की संभावना बढ़ेगी। एक वरिष्ठ आईएमडी अधिकारी ने कहा, हमारे मॉडल अक्टूबर-दिसंबर में ला नीना विकसित होने की 50 प्रतिशत से अधिक संभावना दिखा रहे हैं। ला नीना के दौरान भारत में सर्दियां सामान्य से ठंडी होती हैं। हालांकि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्माहट कुछ असर कम कर सकती है, लेकिन ठंडी लहरें बढ़ सकती हैं।

वहीं भारतीय निजी मौसम एजेंसी ने कहा कि ला नीना की स्थिति से इंकार नहीं कर सकते है। उन्होंने बताया, प्रशांत महासागर का तापमान पहले ही सामान्य से ठंडा है। यदि यह -0.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे तीन तिमाहियों तक बना रहता है, तब इस ला नीना घोषित कर दिया जाएगा। 2024 के अंत में भी ऐसी ही स्थिति बनी थी जब नवंबर से जनवरी तक अल्पकालिक ला नीना रहा था। उन्होंने कहा, इस बार अमेरिका में सूखी सर्दियों का खतरा है, जबकि भारत में कड़ाके की ठंड और हिमालयी क्षेत्रों में अधिक बर्फबारी हो सकती है।

आईआईएसईआर मोहाली और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस रिसर्च, ब्राजील ने भी अपने अध्ययन में पाया है कि ला नीना वर्षों में उत्तर भारत में ठंडी लहरें अधिक और लंबी अवधि तक चलती हैं। अध्ययन के अनुसार, ला नीना के दौरान निचले स्तर पर बनने वाली चक्रीय हवाएं उत्तरी अक्षांशों से ठंडी हवा भारत की ओर खींच लाती हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं: इशाक डार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 10 मई को भारत के साथ किए गए संघर्षविराम की असल सच्चाई को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए इसे पूरी तरह से द्विपक्षीय बताया है। जिसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मामले को लेकर दोनों देशों के बीच दर्जनों बार मध्यस्थता कराने के दावे की पोल खुल गई है। पाकिस्तान की तरफ से यह कबूलनामा किसी और ने नहीं बल्कि खुद विदेश मंत्री और उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने किया है।

एक विदेशी मीडिया को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि संघर्षविराम को लेकर जारी बातचीत में भारत ने कभी भी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया। अमेरिका की तरफ से हालांकि इसके लिए एक प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन वो भारत ही था। जिसने इस मामले को पूरी तरह से द्विपक्षीय रखने पर जोर दिया।

डार ने ये भी कहा कि जब इस्लामाबाद ने ट्रंप की मध्यस्थता की इच्छा को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समक्ष रखा तो उन्होंने दो टूक लहजे में हमें ये स्पष्ट कर दिया कि नई दिल्ली, भारत और पाकिस्तान के बीच उठने वाले तमाम मामलों को सख्ती के साथ द्विपक्षीय रखने के ही पक्ष में है। भारत ने पूर्व में ही कई बार अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्षविराम के दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि ये भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय आधार पर हुआ था। जिसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं रही है। दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच हॉटलाइन पर हुई बातचीत के बाद संघर्षविराम हुआ है। पाक के विदेश मंत्री के मुताबिक, हमें इस मामले में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी से कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन भारत ने हमें साफ शब्दों में यह बता दिया था कि वो इस मुद्दे को किसी भी कीमत पर द्विपक्षीय ही रखेगा। फिर हमें मामले के द्विपक्षीय रहने पर भी कोई ऐतराज नहीं हुआ। लेकिन हमने इस बात पर जोर दिया कि जो भी संवाद इस दौरान होगा। वह व्यापक स्तर पर होगा। जिसमें पूर्व में हमारी वार्ताओं से जुड़े आतंकवाद, व्यापार, अर्थव्यवस्था और जम्मू-कश्मीर जैसे मसले मुख्य हैं।

भारत से बातचीत के लिए तैयार पाकिस्तान

पाकिस्तान के विदेश मंत्री के मुताबिक, 10 मई की सुबह करीब 8 से 8.20 के बीच वाशिंगटन की तरफ से विदेश मंत्री रुबियो की तरफ से मुझे संघर्षविराम का एक प्रस्ताव भेजा गया था। जिसमें कहा गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाली कोई भी बातचीत एक एकांत जगह पर होगी। लेकिन इसके बाद जब मैं 25 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री से मिला और मैंने उनसे पूछा कि वार्ता का क्या हुआ? तो उन्होंने कहा कि भारत इस प्रस्ताव के लिए तैयार नहीं है और उसका कहना है कि यह एक द्विपक्षीय मामला है। डार ने कहा कि पाकिस्तान द्विपक्षीय वार्ता के लिए राजी है। लेकिन हम बातचीत के लिए किसी के सामने भीख नहीं मांगेंगे। हमारा देश एक शांतिप्रिय देश है और हमारा मत यह है कि बातचीत से आगे का कोई रास्ता निकलेगा। डार ने यह इच्छा भी जताई कि अगर भारत चाहे तो पाकिस्तान उसके साथ बातचीत के लिए तैयार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार में बोर्डिंग स्कूल के 19 छात्र सैन्य हवाई युद्ध में मरे

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। एक जातीय मिलिशिया (अराकान आर्मी) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पिछले हफ्ते एक बोर्डिंग स्कूल पर म्यांमार की सेना के हवाई हमले में - 19 छात्र मारे गए। मृतकों की उम्र 15 से 21 वर्ष थी। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने भी कहा कि म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत के क्याउक्तो टाउनशिप स्थित बोर्डिंग स्कूल में बच्चे मारे गए और घायल हुए। उसने मृतक संख्या नहीं बताई। बता दें, म्यांमार की सत्तारूढ़ सेना ने दिसंबर में प्रस्तावित चुनाव से पहले नियंत्रण अभियान तेज कर दिया है। यूनिसेफ ने कहा, यह हमला रखाइन प्रांत में बढ़ती विनाशकारी हिंसा की प्रवृत्ति को और बढ़ाता है, जिसकी अंतिम कीमत बच्चों और परिवारों को चुकानी पड़ रही है। राष्ट्रीय एकता सरकार ने कहा कि पिछले महीने सेना द्वारा देश भर में किए गए लगभग 500 हवाई हमलों में 40 से ज्यादा बच्चे मारे गए और 15 स्कूल प्रभावित हुए। बांग्लादेश की सीमा से लगे रखाइन प्रांत में सेना और तटीय क्षेत्र के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग करने वाली अराकान आर्मी के बीच महीनों से भीषण लड़ाई चल रही है। यह लंबे समय से म्यांमार का सबसे अशांत राज्य रहा है।

मस्क की स्टारलिंक सेवा रुकने से यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति और इंटरनेट सेवा प्रदाता स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक सेवा सोमवार को कुछ देर तक बाधित होने के बाद फिर चालू हो गई। ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दोपहर बाद अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए यह चालू हो गई। 12:35 बजे तक अमेरिका में 43,000 से ज्यादा यूजर्स प्रभावित हुए। इस बाधा ने रूस के साथ चल रहे युद्ध में यूक्रेन की अग्रिम पंक्ति को भी प्रभावित किया। यूक्रेन के ड्रोन बलों के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी ने बताया कि स्टारलिंक की रुकावट ने सुबह 7-28 बजे से रूस के साथ युद्ध की पूरी अग्रिम पंक्ति पर असर डाला। इससे यूक्रेनी सेनाओं के युद्ध संचार व ड्रोन अभियान प्रभावित हुए।

ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी का आरोप झेल रहे दो लोगों पर से केस हटा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में चीन के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ चल रहे आपराधिक केस को अब बंद कर दिया गया है। अभियोजन पक्ष ने कहा है कि उनके पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं, इसलिए अब दोनों आरोपियों पर मुकदमा नहीं चलेगा। इन दो लोगों में एक हैं क्रिस्टोफर कैश जो ब्रिटिश संसद में शोधकर्ता थे और चाइना रिसर्च ग्रुप का नेतृत्व करते थे। दूसरे हैं क्रिस्टोफर बेरी, जो ऑक्सफोर्डशायर में एक अकादमिक (शिक्षाविद) हैं और 2015 से चीन में पढ़ा चुके हैं। इन दोनों पर अप्रैल 2024 में केस दर्ज हुआ था। आरोप था कि इन्होंने 2021 के अंत से लेकर फरवरी 2023 के बीच ऐसी जानकारी या दस्तावेज दिए जो ब्रिटेन की सुरक्षा के खिलाफ और दुश्मन के लिए फायदेमंद हो सकते थे। आरोप था कि दोनों एक-दूसरे और एक संदिग्ध चीनी खुफिया एजेंट के संपर्क में थे। इनका ट्रायल अगले महीने लंदन के केंद्रीय आपराधिक न्यायालय में शुरू होने वाला था, जो लगभग छह हफ्ते चलता। लेकिन अब केस को सबूतों की कमी के चलते बंद कर दिया गया है।

फ्री नॉर्थ कोरिया रेडियो के संस्थापक किम सियोंग मिन का निधन

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के मशहूर रेडियो प्रसारक किम सियोंग मिन का 63 साल की उम्र में निधन हो गया। किम सियोंग मिन ने रेडियो प्रसारण, यूएसबी स्टिक और सूत्रों के नेटवर्क की मदद से उत्तर कोरियाई जनता को उनकी सत्तावादी सरकार की सच्चाई बताई। किम सियोंग उत्तर कोरिया के निवासी थे, लेकिन वे भागकर दक्षिण कोरिया पहुंच गए। दक्षिण कोरिया में किम सियोंग ने फ्री नॉर्थ कोरिया रेडियो की स्थापना की। किम सियोंग का शुक्रवार को सियोल के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किम सियोंग कई वर्षों से फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे। किम सियोंग ने उत्तर कोरियाई सेना में बतौर कैप्टन काम किया था और साल 1999 में सियोंग भागकर दक्षिण कोरिया पहुंच गए थे। अपने रेडियो कार्यक्रम में किम सियोंग, उत्तर कोरिया से भागकर दक्षिण कोरिया पहुंचे लोगों की सफलता की कहानियां, उत्तर कोरियाई शासक की विलासितापूर्ण जिंदगी और विभिन्न राजनीतिक खबरों की जानकारी दी जाती थी।

अदालत ने पलटा ट्रंप का फैसला, अपील कोर्ट ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति ट्रंप को झटका देते हुए उनके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने का आदेश दिया था, जिसे अब अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होनी है, उससे पहले लिसा कुक को पद पर बहाली ट्रंप के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। लिसा कुक को पद से हटाने के लिए अब ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है।

लिसा कुक पर लगे धोखाधड़ी के आरोप : अमेरिका में फेडरल रिजर्व आमतौर पर स्वतंत्र होता है और उसमें सरकार का दखल नहीं होता है। फेडरल रिजर्व एजेंसी के 112 साल के इतिहास में कभी किसी राष्ट्रपति ने फेडरल रिजर्व गवर्नर को पद से नहीं हटाया। लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड (गृह ऋण में धोखाधड़ी) का आरोप लगा था। ये आरोप फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी (एफएचएफए) के डायरेक्टर बिल पुल्टे ने लगाए, जो ट्रंप के कट्टर समर्थक और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के आलोचक माने जाते हैं। बिल पुल्टे का आरोप है कि जून 2021 में लिसा कुक ने मिशिगन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और 15 साल के मॉर्गेज एग्रीमेंट में इसे अपना प्रिंसिपल रेजिडेंस यानी मुख्य घर बताया था। इसके एक महीने बाद जुलाई 2021 में कुक ने जॉर्जिया के अटलांटा में एक और प्रॉपर्टी खरीदी और 30 साल के एग्रीमेंट में इसे भी अपना मुख्य घर बताया था। अमेरिका में मुख्य घर के लिए मिलने वाले लोन में ब्याज दरें कम होती हैं, और इस तरह के दावे से फायदा उठाने को मॉर्गेज फ्रॉड माना जा सकता है। पुल्टे ने आरोप लगाया कि, जो महिला अपनी ब्याज बचाने के लिए झूठ बोल रही है, वह ब्याज दरों को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी कैसे ले सकती है? ट्रंप ने भी इस मुद्दे को तूल देते हुए पहले कुक से इस्तीफा मांगा और फिर 22 अगस्त को एलान किया कि अगर कुक इस्तीफा नहीं देतीं, तो वह उन्हें बर्खास्त कर देंगे। आखिरकार, 26 अगस्त को ट्रंप ने कुक को फेडरल रिजर्व गवर्नर पद से हटा दिया। लिसा कुक फेडरल रिजर्व बोर्ड की पहली अश्वेत महिला गवर्नर हैं और उनकी मौजूदा नियुक्ति 2038 तक है। सीनेट ने स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व बोर्ड में शामिल करने की मंजूरी दी सीनेट ने राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी और उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व की गवर्निंग बॉडी में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। फेडरल रिजर्व बोर्ड में अभी दो गवर्नर क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमैन की नियुक्ति ट्रंप ने की थी। हाल ही में एक अन्य गवर्नर, एड्रियाना कुगलर ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद कुगलर की जगह ट्रंप ने अपने आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित किया था। अगर कुक भी पद से हट जाती हैं तो उनकी जगह फिर कोई ट्रंप समर्थक फेड बोर्ड में शामिल होगा और इस तरह बोर्ड में ट्रंप समर्थकों का दबदबा हो जाएगा। इसके बाद ट्रंप फेडरल रिजर्व संबंधी नीतियों पर अपना प्रभाव डाल सकेंगे। फेड की ब्याज दर निर्धारण समिति मंगलवार और बुधवार को सभी सात गवर्नरों और 12 क्षेत्रीय बैंक अध्यक्षों के साथ बैठक करेगी। इन 19 अधिकारियों में से बारह केंद्रीय बैंक की अल्पकालिक ब्याज दर में बदलाव पर मतदान करेंगे। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने पिछले महीने संकेत दिए थे कि फेडरल रिजर्व इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

पूर्वी ऑर्थोडॉक्स नेता राष्ट्रपति ट्रंप से की मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्वी ऑर्थोडॉक्स नेता और ईसाइयों के आध्यात्मिक नेता, कुमेंसियल पैट्रियार्क बार्थोलोम्यू चार वर्षों में अपनी पहली अमेरिका यात्रा पर हैं। सोमवार दोपहर उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने के लिए उन्हें सम्मानित किया। बार्थोलोम्यू रविवार को वाशिंगटन पहुंचे और 25 सितंबर तक अमेरिका में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। बार्थोलोम्यू को रूढ़िवादी पैट्रियार्कों में पहला माना जाता है क्योंकि वे प्राचीन राजधानी कॉन्स्टेंटिनोपल के पैट्रियार्क हैं, जिसे अब तुर्की में इस्तांबुल के नाम से जाना जाता है। यह भूमिका उन्हें विभिन्न स्वशासी अधिकार और चर्च में प्रमुखता तो देती है, लेकिन पोप जैसी शक्ति नहीं। पैट्रियार्क, अधिकांशतः मुस्लिम देश तुर्किए में रहने वाले ईसाई समुदाय के संरक्षक माने जाते हैं। वे विदेशों में भी कुछ समुदायों, जैसे कि ग्रीक ऑर्थोडॉक्स आर्चडायोसिस ऑफ अमेरिका और कुछ छोटे अमेरिकी अधिकार क्षेत्रों की देखरेख करते हैं।

'गाजा जल रहा है', इजरायल ने रात भर बरसाए गोले, चारों ओर आग और गहरा काला धुंआ

गाजा, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री ने गाजा शहर पर रात भर हुए भारी हमलों के बाद मंगलवार को कहा कि गाजा जल रहा है। इजरायल काट्ज की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इजरायल गाजा शहर पर नए हमले की योजना बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इजरायल से कतर जाते समय पत्रकारों से बातचीत में संकेत दिया कि आक्रमण शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, 'इजरायलियों ने वहां कार्रवाई शुरू कर दी है। इसलिए हमें लगता है कि हमारे पास समझौते के लिए बहुत कम समय बचा है।' रुबियो ने कहा कि हमारे पास अब महीने नहीं हैं, हमारे पास शायद कुछ दिन या शायद कुछ हफ्ते ही बचे हैं।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने इजरायली अधिकारियों के हवाले से ताजा जानकारी दी। इसने बताया कि इजरायल की सेना ने गाजा शहर पर कब्जा करने के लिए जमीनी हमला शुरू किया है। टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, आईडीएफ हाल के दिनों में शहर और उसके आसपास हवाई हमलों का धीरे-धीरे विस्तार कर रहा है, लेकिन उसने घनी आबादी वाले उत्तरी शहर में जमीनी सैनिकों को नहीं भेजा है। गाजा में स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने गाजा शहर में किसी

भी इजरायली टैंक के घुसपैठ से इनकार किया है।

हवाई हमले और ड्रोन से बमबारी : गाजा शहर के स्थानीय लोगों के अनुसार, अभी तक शहर के अंदरूनी हिस्सों में इजरायली टैंकों के प्रवेश या आवाजाही का कोई दृश्य नहीं देखा गया है। लेकिन उन्होंने गाजा शहर के अधिकांश हिस्सों में तीव्र हवाई हमलों और ड्रोन बमबारी की पुष्टि की है। चारों ओर आग की लपटें और गहरा काला धुंआ नजर आ रहा है। फिलिस्तीन को आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने मंगलवार तड़के खबर दी कि इजरायली सेना ने सोमवार रात से गाजा शहर पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इजरायली युद्धक विमान शहर पर लगातार हमले कर रहे हैं और रुकने का नाम नहीं ले रहे। हाल के हफ्तों में 10 लाख की आबादी वाले गाजा शहर से लगभग तीन लाख फिलिस्तीनी भाग गए हैं।

गाजा पर अमेरिका ने भी मान लिया, कूटनीति से हल नहीं

तेल अवीव, एजेंसी। कतर में सोमवार को 60 मुस्लिम देशों की मीटिंग हुई, जिसमें इजरायल के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ। वहीं उसी समय इजरायल में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मौजूद थे। उन्होंने इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ कई घंटे तक मीटिंग की और मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि गाजा में जारी जंग का कोई कूटनीतिक समाधान होने की उम्मीद नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि हमास एक आतंकी और बर्बर संगठन है। वह जब तक सरेंडर नहीं करेगा, तब तक फिलिस्तीन के मसले पर किसी समाधान की उम्मीद करना बेमानी होगा। उनका यह स्टैंड अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एकदम उलट है, जिन्होंने पिछले दिनों कहा था कि जल्दी ही गाजा में जंग समाप्त होगी। मार्को रुबियो के बयान से स्पष्ट है कि गाजा में अब इजरायल और आक्रामक हो सकता है क्योंकि उसे अमेरिका की ओर से समर्थन हासिल है। यही नहीं इजरायल ने गाजा पर हमला करना शुरू भी कर दिया है। सोमवार देर रात से ही इजरायल की ओर से गाजा पर हमले जारी हैं। रुबियो ने कहा कि हम चाहते हैं कि जंग समाप्त हो, लेकिन हमास एक आतंकी संगठन है, जो सरेंडर नहीं कर रहा है। उसके सरेंडर किए, बिना गाजा में जंग का कोई कूटनीतिक समाधान निकलने की उम्मीद बेहद कम है।

उन्होंने कहा कि हमास का घोषित लक्ष्य इजरायल की बर्बादी है। उसने लगातार कई हमले इजरायल पर किए हैं। इसलिए उसके खात्मे के साथ ही समाधान संभव है। फिलहाल गाजा में भीषण हमलों का दौर जारी है। इजरायल की चेतावनी के बाद से हजारों लोग गाजा छोड़कर निकल रहे हैं। इसी को लेकर रुबियो ने चेतावनी दी है कि हमास के पास बहुत कम समय बचा है। वह सीजफायर डील को स्वीकार कर ले या फिर गाजा पर इसी तरह बमबारी जारी रहेगी। इजरायल ने तो ऑपरेशन शुरू भी कर दिया है। हालांकि इजरायल के लिए भी राह आसान नहीं है। एक तरफ मुस्लिम देश एकजुट हैं तो वहीं यूरोप के कई मुल्क भी इजरायल के खिलाफ हैं।

दोहा पर हमले से पहले नेतन्याहू ने ट्रंप को बता दिया था, उन्होंने मना नहीं किया; दावे से हड़कंप

दोहा, एजेंसी। इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में पिछले हफ्ते हमास के नेताओं पर हवाई हमला किया था। रिपोर्ट में अब दावा किया गया है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी सूचना पहले ही दे दी थी। ट्रंप को यह जानकारी अटैक से करीब 50 मिनट पहले दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 7 इजरायली अफसरों ने एक्सिओस को बताया कि व्हाइट हाउस को पिछले मंगलवार को मिसाइलें दागने से पहले खबर मिल गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने हमले के बाद कहा था कि यूएस को दोहा स्ट्राइक की ठीक तरीके से चेतावनी नहीं मिली थी। उन्होंने कोशिश तो की मगर कतर को वार्निंग देने का समय ही नहीं मिला। वह इस घटना से बहुत नाराज भी हुए। डोनाल्ड ट्रंप ने रिपोर्टर्स से कहा कि इजरायल को कतर के साथ डील

करते वक्त बहुत सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कतर को यूएस का शानदार सहयोगी भी बताया। हालांकि, हमले को लेकर रिपोर्ट में जो दावा किया गया है वो ट्रंप के बयान से अलग है। इसमें कहा गया कि इजरायल ने जब नोटिस भेजा, तब ट्रंप के पास स्ट्राइक रोकने का पूरा टाइम था। तीन अफसरों ने बताया कि नेतन्याहू ने सुबह करीब 8 बजे ट्रंप को फोन किया और दोहा में धमाकों की पहली खबर इसके 50 मिनट बाद आई। सीनियर इजरायली अफसर ने एक्सिओस को कहा, नेतन्याहू और ट्रंप के बीच पॉलिटिकल लेवल पर बात हुई। ट्रंप ने ना नहीं कहा। दूसरे अफसर का कहना था कि अगर ट्रंप रोकना चाहते तो रोक सकते थे, लेकिन प्रैक्टिकल में उन्होंने कुछ नहीं किया।

इजरायल से भड़कीं अरब सरकारें : दोहा में इजरायली हमले में हमास के 5 गैर-प्रमुख सदस्य और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी मारे गए। हालांकि, टॉप लीडर्स सुरक्षित बच गए। अरब सरकारें अटैक से भड़क उठी हैं। सोमवार को इस हमले को लेकर आपातकालीन बैठक हुई, जिसमें इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध रखने वाले देशों के नेता शामिल थे। इस बैठक में यहूदी राष्ट्र की कड़ी निंदा की गई। इजरायल ने हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के जवाब में गाजा पर आक्रमण शुरू किया था। तब से वह इस सशस्त्र समूह सहित ईरान के एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस के अन्य सदस्यों पर भी ईरान, लेबनान, सीरिया, यमन और अब कतर में जवाबी कार्रवाई कर चुका है। इससे पश्चिम एशिया के देशों में व्यापक आक्रोश पैदा हो गया है, जो पहले से ही गाजा में युद्ध के दौरान 64,000 से अधिक फिलिस्तीनियों के मारे जाने से नाराज हैं। साथ ही, यह चिंता भी बढ़ रही है कि खाड़ी अरब देशों की रक्षा के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता पर्याप्त मजबूत नहीं हो सकती।

लग्जमबर्ग ने भी फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का समर्थन किया

लग्जमबर्ग, एजेंसी। फिलिस्तीन को राष्ट्र के तौर पर मान्यता देने का समर्थन करने वाले देशों की फेहरिस्त लगातार लंबी ही होती जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लग्जमबर्ग ने भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का समर्थन करने का फैसला किया है। पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक लग्जमबर्ग के प्रधानमंत्री लूक फ्रीडेन और विदेश मंत्री जेवियर बेटल ने इस फैसले के बारे में अपनी कैबिनेट को जानकारी दे दी है।

बता दें कि भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का समर्थन किया है। संयुक्त राष्ट्र में न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन को मंजूरी गई। इसके तहत दो राष्ट्र समाधान निकालने लिए 142 देशों ने समर्थन में वोट किया जबकि 10 देशों ने विरोध किया। वहीं 10 देशों ने वोटिंग से दूरी बना ली।

क्या है न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन : सऊदी अरब और फ्रांस की अगुआई में एक प्रस्ताव तैयार किया गया है जिसके अंतरगत जुलाई में दो राष्ट्र समाधान के लिए एक उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस डिक्लेरेशन में कहा गया था कि युद्धविराम की घोषणा के बाद फिलिस्तीनी प्रशासन को पूरे इलाके का प्रशासन सौंप दिया जाएगा। इसके अलावा यूएन के तहत एक अस्थायी अंतरराष्ट्रीय मिशन गाजा में तैनात किया जाएगा जो कि शांति समझौते की निगरानी करेगा।

भारत ने न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन का खुलकर समर्थन किया है। वहीं यूएन में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने कहा है कि यह शांति की एक उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह डिक्लेरेशन दुनिया की चाहत को दिखाता है। वहीं इजरायल ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इजरायल ने कहा कि फिलिस्तीन जैसा कोई राष्ट्र नहीं होगा। इजरायली राजदूत ने कहा कि यह सब नाटक भर है। अमेरिका ने भी इजरायल का ही साथ दिया है।

बता दें कि न्यूयॉर्क डिक्लेरेशन में सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले किनंदी की गई है। इसके अलावा गाजा में भी आम लोगों को निशाना बनाने और भुखमरी की स्थिति के लिए इजरायल की आलोचना की गई है। गाजा में इजरायली हमलों में अब तक 6400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

एफबीआई का दावा, चार्ली किर्क के हत्यारे से जुड़ा डीएनए मिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने कहा कि जांचकर्ताओं को चार्ली किर्क के कथित हत्यारे टायलर रॉबिन्सन के खिलाफ अपराध स्थल से डीएनए सबूत मिले हैं, जो उसे पिछले हफ्ते हुई घटना से जोड़ते हैं। पटेल ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, हमें छत पर मिले पेचकस और उस तौलिए पर डीएनए मिला है, जिसमें बंदूक लपेटी गई थी।

उन्होंने आगे बताया कि राइफल की जांच मैरीलैंड स्थित ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स (एटीएफ) की प्रयोगशाला में की जा रही है। एफबीआई निदेशक ने यह भी कहा कि संदिग्ध के परिवार ने सामूहिक रूप से जांचकर्ताओं को बताया है कि वह वामपंथी विचारधारा का अनुयायी था। यह पिछले कुछ वर्षों में अधिक हो गया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दक्षिणपंथी कार्यकर्ता और प्रभावशाली व्यक्ति चार्ली किर्क को बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में दर्शकों के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। घटना के लगभग 33 घंटे बाद, 22 वर्षीय संदिग्ध को यूटा के वाशिंगटन काउंटी में गिरफ्तार किया गया, जब उसके रिश्तेदारों ने जांचकर्ताओं द्वारा जारी की गई तस्वीरों से उसकी पहचान की। यूटा के गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने शुक्रवार को बताया कि रॉबिन्सन के एक पारिवारिक सदस्य ने अपने एक पारिवारिक मित्र से संपर्क किया, जिसने वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय को जानकारी दी कि रॉबिन्सन ने उनके सामने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

यूटा के गवर्नर ने एनबीसी पर रविवार को दिए इंटरव्यू में कहा कि रॉबिन्सन के मित्रों और रिश्तेदारों के साथ जांचकर्ताओं द्वारा किए गए साक्षात्कारों से पता चला कि उसकी वामपंथी विचारधारा थी, जो उसके रूढ़िवादी परिवार से काफी अलग थी। हालांकि, वह एक रजिस्टर्ड मतदाता है, लेकिन राज्य मतदान रिकॉर्ड दिखाते हैं कि रॉबिन्सन का किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं है और संकेत देते हैं कि उसने नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में वोट नहीं दिया था, जो 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद उसका पहला राष्ट्रपति चुनाव था। उसके माता-पिता दोनों पंजीकृत रिपब्लिकन हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला की बोट पर फिर हमला, 3 की मौत, ट्रम्प बोले- नशीले पदार्थ ला रहे थे; आगे और भी बड़े हमले करने का प्लान

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक बार फिर वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की बोट पर हमला किया। इस हमले में 3 लोग मारे गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। उन्होंने इन तस्करों को नार्को टेररिस्ट यानी ड्रग कार्टेल से जुड़े आतंकवादी बताया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हितों के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इस हमले में अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। दो हफ्ते पहले भी अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के कुख्यात ट्रेन डी अरागुआ गैंग से जुड़े 11 लोगों को मार गिराने का दावा किया था। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी संकेत दिए कि अमेरिका ड्रग कार्टेल के खिलाफ और बड़े हमले कर सकता है।

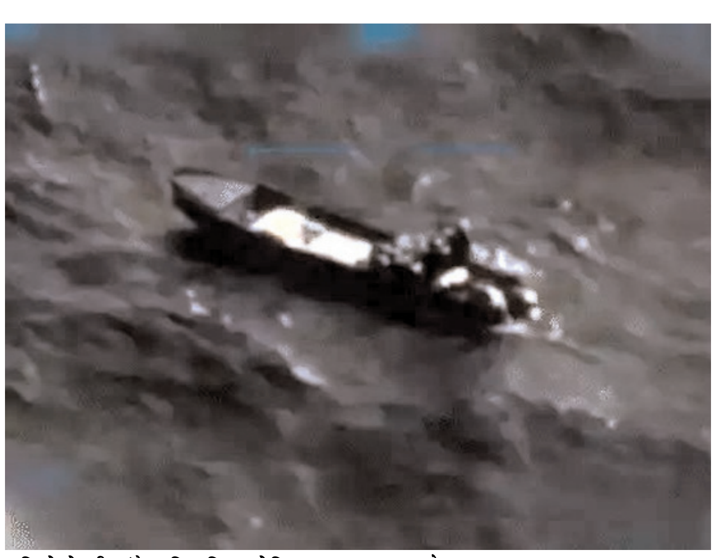

अमेरिका ट्रेन डी अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका : अमेरिका ट्रेन डी अरागुआ गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। हालांकि अमेरिकी संसद ने ट्रेन डे अरागुआ या वेनेजुएला के खिलाफ किसी तरह की सैन्य कार्रवाई को मंजूरी नहीं दी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब किसी देश ने आत्मरक्षा के नाम पर ड्रग्स तस्करी के शक में लोगों को उड़ा दिया हो। ट्रम्प प्रशासन ने फरवरी, 2025 में वेनेजुएला के ट्रेन डी अरागुआ, अल सल्वाडोर के एम-13 और मेक्सिको के छह ड्रग कार्टेल्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया था। आमतौर पर यह दर्जा अल-कायदा या इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों के लिए होता है, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने कहा कि ये गिरोह ड्रग तस्करी, मानव तस्करी और हिंसा के जरिए इतना बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं कि इन्हें आतंकी संगठन माना जाना चाहिए।

कानून में तस्करों को मारने की इजाजत नहीं : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पिछले हफ्ते कहा था कि सरकार को ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल इस्तेमाल करने का अधिकार है। लेकिन अमेरिकी कानून के जानकारों के मुताबिक ऐसा नहीं है। आतंकवादी घोषित करने से सरकार उनकी संपत्ति जब्त कर सकती है या उन पर वित्तीय पाबंदी लगा सकती है, लेकिन युद्ध जैसी कार्रवाई का अधिकार नहीं मिलता। 2001 में संसद ने अल-कायदा और तालिबान के खिलाफ अफगानिस्तान में सैन्य बल इस्तेमाल करने की मंजूरी दी थी। बाद में अलग-अलग अमेरिकी सरकारों ने इस कानून का विस्तार कर दूसरे इस्लामी उग्रवादी संगठनों के खिलाफ भी कार्रवाई की। लेकिन इस कानून के तहत ड्रग्स कार्टेल के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की इजाजत नहीं मिलती।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में 12 घंटे में दो हत्याएं

अमरोली में ऑनलाइन चाकू मंगवाने के बाद युवक की हत्या, झगड़े के समझौते के लिए जमा होने पर खून-खराबा

दो सगे भाइयों समेत 4 की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले 12 घंटों में दो हत्याएं सामने आई हैं। पांडेसरा में रात के समय एक युवक की हत्या की गई थी। वहीं, सूरत के अमरोली इलाके में कल शाम एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में दो सगे भाइयों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी और मृतक एक ही सोसाइटी की एक ही इमारत में ऊपर-नीचे रहते थे। ऑनलाइन मंगाए गए चाकू के आने के कुछ ही घंटों में युवक की हत्या कर दी गई।

जानकारी के मुताबिक, 26 वर्षीय गुड्डू सोनी नामक युवक की हत्या कर दी गई। मुख्य आरोपी करण ने सब्जी काटने के चाकू से गुड्डू पर हमला किया। पेट में चाकू के वार से उसकी आँतें बाहर आ गईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद चारों आरोपी अपने वतन बिहार भागने की फिराक में थे, लेकिन अमरोली पुलिस ने उन्हें रेलवे स्टेशन के पास से दबोच लिया और आगे की कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

डीसीपी एल.ए. जाला ने बताया कि कल, 16-9-2025 की शाम गुड्डू शिव सागर सोनी की कुछ लोगों ने हत्या कर दी। गुड्डू और हत्यारे सभी श्रीराम नगर, गुजरात हाउसिंग बोर्ड के निवासी हैं। मूल रूप से ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। पिछले 4-5 वर्षों से वे सूरत में सेंटिंग और टेक्सटाइल मजदूरी के काम से जुड़े थे।

साधारण विवाद में दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। गुड्डू और अभिषेक के बीच हुए विवाद के चलते बाकी तीन आरोपी भी शामिल हो गए, जिसमें करण ने गुड्डू को चाकू मारा। यह वही चाकू था जिसे करण ने एक दिन पहले ऑनलाइन मेसो वेबसाइट से मंगवाया था। संयोगवश झगड़ा उसी शाम हुआ और उसी चाकू का उपयोग हत्या के लिए किया गया।

सब्जी की लारी पर मामूली कहासुनी गुड्डू और अभिषेक के बीच हुई थी। उसी विवाद के निपटारे के लिए जब सभी जमा हुए, तो झगड़ा और उग्र हो गया और करण व उसके तीन साथियों ने मिलकर गुड्डू की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी उत्तर प्रदेश भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर कुछ ही घंटों में उन्हें गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

आरोपियों के नाम

१- सूर्यप्रकाश उर्फ शाहरू विजयभाई गौतम, उम्र 25 वर्ष, निवासी मकान नं. 1618, कमरा नं. 302, श्रीराम नगर, अमरोली, सूरत। मूल निवासी - जगन्नाथपुर थाना, गोपीगंज, जिला भदोही (उत्तर प्रदेश)

२- अभिषेक कुमार पुत्र शेरबहादुर कुमार, उम्र 19 वर्ष, निवासी मकान नं. 1618, कमरा नं. 203, श्रीराम नगर, अमरोली, सूरत। मूल निवासी - कादिहर थाना, निवाड़िया, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

३- किशनकुमार पुत्र रामाश्रय गौतम, उम्र 22 वर्ष, निवासी मकान नं. 1618, कमरा नं. 302, श्रीराम नगर, अमरोली, सूरत। मूल निवासी - कज़िया कुचाना थाना, नावढ़िया, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

४- करण पुत्र रामाश्रय गौतम, उम्र 19 वर्ष, निवासी मकान नं. 1618, कमरा नं. 302, श्रीराम नगर, अमरोली, सूरत। मूल निवासी - कज़िया कुचाना थाना, नावढ़िया, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

सूरत में मनपा के मिक्सर डंपर ने मेट्रो की बड़ी गडर उड़ा दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक और दुर्घटना सामने आई है, जिसमें सूरत महानगर पालिका (SMC) के मिक्सर डंपर चालक ने हादसा कर दिया। मजूरा गेट के पास लगाए गए मेट्रो प्रोजेक्ट की बड़ी गडर को डंपर चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पूरी बड़ी गडर उड़ गई।

घटना की जानकारी के अनुसार, मजूरा गेट इलाके में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के काम के लिए गडर लगाई गई थी, लेकिन डंपर चालक को वह दिखाई नहीं दी। तेज रफ्तार से आ रहा मिक्सर डंपर गडर से जा टकराया।

सौभाग्य से इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मजूरा गेट को एक महत्वपूर्ण इंटरचेंज स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सूरत रेलवे स्टेशन पर वाहन चालक से बदसलूकी करने वाले पार्किंग कर्मचारी की गिरफ्तारी, कॉन्ट्रैक्टर को दी गई कड़ी चेतावनी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन पर पार्किंग में वाहन चालक के साथ पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर के आदमी द्वारा अभद्र व्यवहार करने पर रेलवे पुलिस ने पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर के कर्मचारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। ताकि आने वाले त्योहारों के दौरान कोई अनचाही घटना न हो, इसके लिए रेलवे स्टेशन पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

अक्सर रेलवे स्टेशन पर पार्किंग को लेकर यात्रियों से झगड़े होते रहते हैं और उनके वीडियो भी वायरल होते रहते हैं। लेकिन इस बार पहली बार बड़ौदा रेलवे एसपी अभय सोनी ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर कदम उठाने के निर्देश दिए। दरअसल, सूरत रेलवे स्टेशन पर यात्री के परिजन के साथ पार्किंग को लेकर हुई बदसलूकी का वीडियो वायरल हुआ था। यह वीडियो जब बड़ौदा रेलवे एसपी अभय सोनी के ध्यान में आया, तो उन्होंने सूरत रेलवे पीआई हीरल व्यास को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पूरी घटना की जानकारी लेने के बाद पार्किंग कॉन्ट्रैक्टर के स्टाफ को बुलाया गया और वीडियो के आधार पर दिख रहे कर्मचारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रेलवे पुलिस ने यात्री से बदसलूकी करने वाले सलमान मलिक के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई की। साथ ही आने वाले नवरात्रि और दिवाली अवकाश को ध्यान में रखते हुए रेलवे पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है।

पार्किंग स्टाफ का एक कर्मचारी यात्री को धमकी देता हुआ दिख रहा है कि -

"अगर एक घंटे में नहीं आओगे तो गाड़ी के टायर की हवा निकाल दूँगा, यह लोकल पार्किंग है, तुम 500 रुपये भी दोगे तो भी गाड़ी खड़ी नहीं करने दूँगा।"

डिंडोली लूट केस में दो हिस्ट्रीशीटर की गिरफ्तारी

हत्या और गुजसीटोक सहित 40 से अधिक मामलों में शामिल दयावन और समाधान पाटिल जेल हवाले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली पुलिस स्टेशन की सर्विलांस टीम ने लूट के मामले में दो कुख्यात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनका आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर और लंबा है। हत्या और गुजसीटोक सहित 40 से अधिक अपराधों में शामिल हिस्ट्रीशीटर आरोपी दयावन उर्फ बंटी पाटिल और समाधान पाटिल को अपराध करने के कुछ ही दिनों में पकड़ लिया गया।

यह घटना 14 सितंबर को हुई, जब शिकायतकर्ता राकेश उर्फ भावसाहेब पाटिल डिंडोली के भेस्तान आवास के पास खड़े थे। तभी आरोपी अपने साथियों बारकु पाटिल और कैलाश उर्फ बोचारा के साथ वहां पहुंचे। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से गाली-गलौज और धमकी दी। पैसों की मांग करने पर शिकायतकर्ता ने इनकार कर दिया, तो आरोपियों ने उन्हें मारपीट कर उनकी सोने की चेन और 20,000 रुपये नकद लूट लिए और वहां से फरार हो गए।

सर्विलांस टीम ने दयावन पाटिल और समाधान पाटिल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से एक छुरी और 2,200 रुपये नकद बरामद किए। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात है दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास।

मुख्य आरोपी दयावन उर्फ बंटी पाटिल पर सूरत के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में करीब 22 गंभीर मामले दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट और गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एंड ऑर्गेनाइज्ड क्राइम (गुजसीटोक) एक्ट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इसके अलावा, उसके खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट, आर्म्स एक्ट और हमले के भी कई मामले दर्ज हैं। ये केस डिंडोली, सचिन, सलाबतपुरा, लिम्बायत, खटोदरा, उधना और रांदेर पुलिस स्टेशनों में दर्ज हैं।

दूसरा आरोपी समाधान संजयभाई पाटिल भी एक शातिर अपराधी है, जिस पर 21 मामले दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या का प्रयास, हमला, दंगा, प्रोहिबिशन एक्ट और जुआ अधिनियम के उल्लंघन जैसे कई मामले शामिल हैं। उसे 2020 और 2021 में तीन बार प्रिवेंशन ऑफ एंटी-सोशल एक्टिविटीज (PASA) एक्ट के तहत भी हिरासत में लिया गया था।

नवरात्रि के बंदोबस्त के लिए सूरत पुलिस एक्शन में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवरात्रि महोत्सव को लेकर सूरत शहर में पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत एक्शन में आ गए हैं। इस बार सूरत में भारी पुलिस बंदोबस्त किया गया है। नवरात्रि महोत्सव को लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

डीसीपी, एसीपी, पीआई से लेकर कांस्टेबल तक सभी अधिकारी मैदान पर मौजूद रहेंगे। नवरात्रि के बंदोबस्त के लिए खास कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, ताकि कहीं भी भीड़ इकट्ठा होने पर तुरंत पुलिस वहां पहुंच सके। पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत के नेतृत्व में नवरात्रि और दशहरा महोत्सव के लिए विशेष बंदोबस्त किया गया है। शहर के अलग-अलग इलाकों में वॉच टावर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ताकि पुलिस की नजर हर जगह बनी रहे।

खास तौर पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए "शी टीम" पारंपरिक ड्रेस में काम करेगी और बॉडी वॉर्न कैमरे के साथ पेट्रोलिंग करेगी।

ये कैमरे लाइव कनेक्ट रहेंगे ताकि तुरंत कार्रवाई संभव हो सके।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे तेज गति से वाहन न चलाएं। आयोजकों द्वारा बनाए गए पास में डुप्लीकेशन न हो इसके लिए कड़ी कार्रवाई होगी। अनियंत्रित स्थानों पर विशेष लाइटिंग और नाकाबंदी की व्यवस्था भी की गई है।

विश्व हिंदू परिषद (VHP) ने भी गैर-हिंदुओं के गरबा प्रवेश पर प्रतिबंध घोषित किया है। आयोजकों के साथ पुलिस की बैठक पूरी हो चुकी है और अगर कहीं अराजकता देखी जाएगी तो तुरंत कड़ी कार्रवाई होगी। नवरात्रि के दौरान सूरत में भारी संख्या में लोग आते हैं, इसलिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस के हर विभाग को मैदान में तैनात किया गया है। किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ऐसी तैयारियां दिखाई दे रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन समारोह

सी.आर. पाटिल ने महादेव इच्छानाथ मंदिर में पूजा की, मंदिर के बाहर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

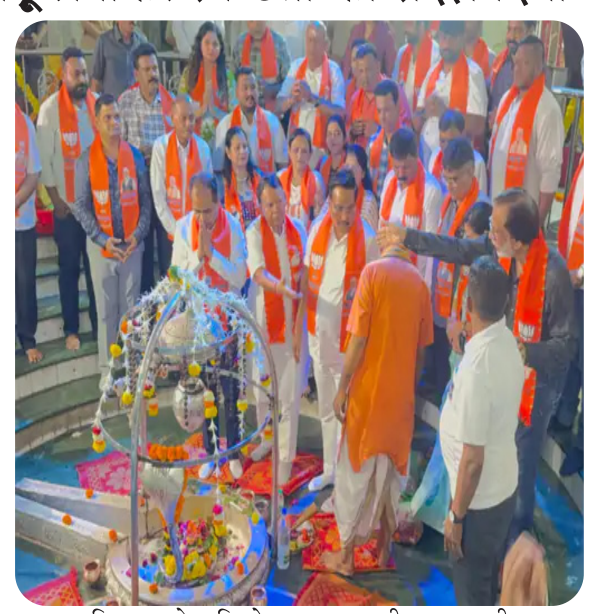

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर सूरत में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सुबह सी.आर. पाटिल शहर के प्रसिद्ध पार्ले प्वाइंट इलाके स्थित इच्छानाथ महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए विशेष प्रार्थना की। इस पूजा-अर्चना में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल हुए, जिन्होंने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की।

मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद सी.आर. पाटिल ने मंदिर के बाहर स्वच्छता अभियान के तहत झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान सफाई कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को गति देना था।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत एक **आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बन रहा है। उन्होंने देश की सुरक्षा और सार्वभौमिकता के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पाटिल ने कहा - दुश्मन देश को भी ऑपरेशन सिंदूर से जवाब दिया गया है, और प्रधानमंत्री की मजबूत नेतृत्व क्षमता की सराहना की।

उन्होंने आगे कहा - देशभर के भाजपा कार्यकर्ता मंदिरों में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु के लिए कामना कर रहे हैं। जब करोड़ों लोग एक साथ प्रार्थना करेंगे, तो भगवान अवश्य सुनेंगे।

सूरत में केवल इच्छानाथ महादेव मंदिर ही नहीं, बल्कि शहर के अन्य कई मंदिरों और स्थलों पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवा कार्य और प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया।

अहमदाबाद की सेवन्थ डे जैसी घटना सूरत में, स्कूल के बाहर कक्षा 12 के छात्र पर रॉड से जानलेवा हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उमरा इलाके में स्थित शेख धनजीशा रुस्तमजी उमरीगर स्कूल के बाहर कक्षा 12 के एक छात्र पर कक्षा 11 के छात्र द्वारा रॉड से जानलेवा हमला किए जाने से सनसनी फैल गई। इस घटना ने अहमदाबाद की सेवन्थ डे स्कूल में हुई हिंसक घटना की याद दिला दी है, जिसके चलते स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, शेख धनजीशा रुस्तमजी उमरीगर स्कूल के कक्षा 11 और 12 के छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि स्कूल छूटने के बाद, स्कूल से मात्र 100 मीटर की दूरी पर कक्षा 11 के छात्र ने कक्षा 12 के छात्र पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित छात्र के सिर पर गंभीर चोटें आईं।

हमले के बाद घायल छात्र को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद, बेटे की सिटी स्कैन रिपोर्ट और जिस रॉड से हमला हुआ था, उसे लेकर उसके पिता सीधे स्कूल पहुंच गए। यहां उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल और ट्रस्टी के सामने जोरदार विरोध दर्ज कराया।

इस घटना के बाद अन्य अभिभावक भी बड़ी संख्या में स्कूल पहुंच गए और स्कूल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल की लापरवाही और निष्क्रियता के कारण छात्रों के बीच इस तरह की हिंसक घटनाएं हो रही हैं। गुस्साए अभिभावकों ने हमलावर छात्र को तत्काल स्कूल से निलंबित करने या उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इस घटना ने एक बार फिर स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल इस मामले में स्कूल प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और पुलिस को भी सूचित कर दिया गया है।